RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:37 ता. 04 अगस्त 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

सांसदों ने बाइक पर निकाली तिरंगा यात्रा, स्कूटी पर सवार होकर निकलीं स्मृति ईरानी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर हर घर तिरंगा अभियान की जोर-शोर से तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में 3 अगस्त को संसद सदस्यों ने बाइकों पर सवार होकर तिरंगा यात्रा निकाली। लाल किला से उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने केंद्रीय मंत्रियों प्रल्हाद जोशी और पीयूष गोयल की मौजूदगी में तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का समापन विजय चौक पर हुआ। तिरंगा यात्रा में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी स्कूटी चलाती हुई नजर आईं। बीते मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसदीय दल की बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा था कि यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय की ओर से किया जा रहा है, न कि भाजपा की ओर से। उन्होंने सभी दलों के सांसदों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया और उन्हें सुबह साढ़े आठ बजे लाल किला पहुंचने को कहा था। संसदीय दल की बैठक में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर नौ अगस्त से 15 अगस्त के बीच आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की थी। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान पर खासा जोर दिया और भाजपा सांसदों से अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में लोगों को इससे जोड़ने का आग्रह किया।

गरबा में भी 18 फ़ीसदी जीएसटी

अहमदाबाद । गुजरात का गरबा सारे देश में बड़ा लोकप्रिय है। गरबा के आयोजन दशहरा के दौरान गुजरात सहित सभी राज्यों में बड़े पैमाने पर होते हैं। गुजरात के गरबा को अब वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम के दायरे में शामिल कर लिया गया है। इसमें 18 फ़ीसदी जीएसटी का भुगतान आयोजकों को करना पड़ेगा। 500 से अधिक की टिकट पर 18 फ़ीसदी जीएसटी लागू हो जाएगा। गरबा के आयोजकों को अब अपना पंजीकरण जीएसटी में कराना पड़ेगा। 1 अगस्त से पंजीकरण शुरू हो गया है। 500 से ज्यादा की टिकट पर अब 18 फ़ीसदी जीएसटी आयोजकों को भरना होगी। आयोजक यह पैसा गरबा की टिकट में अलग से शामिल कर सकते हैं। गुजरात राज्य में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। गरबा के आयोजन में आम जनता विशेष रूप से युवा और युवती बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। अगले साल गुजरात विधानसभा के चुनाव भी हैं। इसका असर चुनाव में भी पड़ सकता है।

जनवरी 2023 तक 9 बड़े शहरों में 5 जी सेवा

नई दिल्ली । रिलायंस जिओ जनवरी 2023 तक देश के 9 बड़े शहरों में 5जी सेवाएं शुरू करने की योजना बना रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली और मुंबई में 5 जी की सेवा जल्द शुरू की जाएगी। इसके बाद बेंगलुरु,हैदराबाद,जामनगर, अहमदाबाद तथा लखनऊ में 5जी सेवा शुरू होगी। दूरसंचार विभाग के सूत्रों का कहना है मार्च 2023 तक देश के लगभग 70000 स्थानों के टावर पर 5जी के रेडियो स्थापित हो जाएंगे। दूरसंचार कंपनियां देश के हर राज्य में हर माह 3000 से 4000 स्थानों पर 5जी रेडियो स्थापित करने का काम करेंगे। भारत में केवल 7 फ़ीसदी लोगों के पास 5जी के मोबाइल फोन है। ऐसी स्थिति में 5जी प्रदाता कंपनियां उपभोक्ताओं को 5जी आधारित मोबाइल फोन उपलब्ध कराने पर भी विचार कर रही हैं।

फिर हुआ जहरीली गैस का रिसाव, 121 लोगों का चल रहा है इलाज

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में फिर से गैस रिसाव हुआ है। इसके चलते अब तक 121 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। ये इलाका विशाखापत्तनम के पास है। पिछले दो महीने के दौरान ये दूसरा मौका है, जब गैस रिसाव की घटना हुई है। राज्य के मंत्री जी अमरनाथ ने कहा है कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं। साथ ही जांच पूरी होने तक कंपनी को बंद करने के लिए कहा गया है। गैस रिसाव के बाद कर्मचारियों ने घबराहट होने और उल्टी आने की शिकायत की। इसके बाद उन्हें स्पेशल इकोनॉमिक जोन के मेडिकल सेंटर में प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। ये कंपनी अनकपल्ली जिले के अच्युतपुरम इलाके में है। जहरीली गैस का रिसाव होने के चलते 50 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन अब इसकी संख्या बढ़ कर 121 हो गई है। पुलिस के अनुसार, घटना शाम 6:15 बजे से शाम 7 बजे के बीच हुई। दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे के बीच दूसरी शिफ्ट में करीब 1000 कर्मचारी थे। उल्टी की शिकायत करने वाली 50 महिलाओं को अंकापल्ले अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया। बाकी सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। कर्मचारी हल्के लक्षणों के साथ बीमार पड़ गए और उनका इलाज चल रहा है। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

सिगरेट की खुली बिक्री पर रहेगी रोक, टीवी और प्रिंट पर तंबाकू के प्रोडक्ट्स का विज्ञापन नहीं होगा

मोदी सरकार इसे लेकर ला रही बिल

हले भारत सरकार ने मई 2003 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कानून पारित किया था। केंद्र बिल में संशोधन के द्वारा कई बदलाव करने जा रही है। अब सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान जोन या क्षेत्र को खत्म किया जाएगा।

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार संसद के मॉनसून सत्र में ही तंबाकू निषेध से जुड़े मौजूदा कानून को और सख्त बनाने की तैयारी कर रही है। तंबाकू निषेध कानून को और सख्त बनाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के द्वारा संसद में संशोधन विधेयक लाने की तैयारी कर रखी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद विज्ञापन निषेध संशोधन बिल संसद में कभी भी पेश कर सकती है। संशोधन बिल को कैबिनेट की मंजूरी के बाद संसद में पेश किया जाएगा । इससे पहले भारत सरकार ने मई 2003 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कानून पारित किया था। केंद्र बिल में संशोधन के द्वारा कई बदलाव करने जा रही है। अब सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान जोन या क्षेत्र को खत्म किया जाएगा। सिगरेट की खुली बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगेगी। सिगरेट सिर्फ चेतावनी वाले पैकेज के साथ ही बिकेगी। इसके साथ ही टीवी और प्रिंट पर तंबाकू के प्रोडक्ट्स के विज्ञापनों पर भी रोक लगेगी। साथ ही नाबालिग को तंबाकू बेचने पर जुर्माना और कैद के प्रावधान में बदलाव होगा। अभी किसी भी तरह का तंबाकू या उससे युक्त पदार्थ किसी नाबालिग को बेचना बाल न्याय अधिनियम 2015 की धारा 77 का उल्लंघन है। इस कानून के तहत आरोपित को 7 साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है। कानून में संशोधन के बाद तंबाकू कंपनियां किशोरों और युवाओं को लुभाने के लिए जो हथकंडे अपनाती थी, उस पर भी रोक लगेगी। पिछले दिनों ही सिगरेट और अन्य तंबाकू प्रोडक्ट्स (पैकेजिंग और लेबलिंग) को लेकर केंद्र सरकार ने नए निर्देश जारी किए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब और भी कड़ी चेतावनी फोटो सहित लिखी जाएगी। अब सिगरेट के पैकेटों पर बड़े अक्षरों में तंबाकू सेवन यानी अकाल मृत्यु लिखना अनिवार्य होगा। नए नियम 1 दिसंबर, 2022 से लागू होगा।

2026 में शुरू हो जाएगा बुलेट ट्रेन का पहला ट्रायल रन : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली ।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत में 2026 में बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन के 75 किलोमीटर रूट पर तेजी से काम चल रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में नई सरकार बनने के बाद तुरंत इसकी परमिशन मिल गई है। उन्होंने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं, जब भारत का बुलेट ट्रेन का सपना पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा, आपसे गुजारिश करूंगा, जा कर देखिए करीब 75 प्रतिशत पिलरकास्ट हो चुके हैं। स्टेशनों के निर्माण का काम चल रहा है। नदियों पर पुल बनने का काम चल रहा है। महाराष्ट्र में नई सरकार आने के तुरंत बाद काम तेज हो गया है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज रेलवे स्टेशन साफ हैं। रेलवे में बीते 8 साल में काफी बदलाव हुए हैं। देश के करीब 46 स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास का बनाने का काम शुरू किया गया है। 75 वंदे भारत ट्रेनों का

-रेलमंत्री ने कहा महाराष्ट्र में नई सरकार आने के बाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में आई तेजी

काम आखिरी चरण में है। कवच डिवाइस के ट्रायल के दौरान आमने-सामने से आ रही ट्रेनों में से एक में सवार होने के सवाल पर अश्विनी वैष्णव ने कहा ट्रायल के दौरान कोई डर नहीं था। यह आत्मनिर्भर भारत का उदाहरण है। मुझे अधिकारियों ने मना किया था, लेकिन हमें अपने देश के इंजीनियर्स पर भरोसा और गर्व है। 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी को मिले रिस्पॉन्स को लेकर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह काफी अच्छा रहा है। जिस तरह से दूरसंचार सेक्टर को प्रधानमंत्री मोदी ने रिफॉर्म किया है, उससे स्पेक्ट्रम ऑक्शन में बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। आज की सरकार में टेलीकॉम टावर को फौरन परमिशन मिलती है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर तक देश में 5जी सर्विस लॉन्च हो जाएगी।

जानलेवा हमला करना कोई मर्दानगी नहीं कायरता है: सीएम शिंदे

- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थक और पूर्व मंत्री उदय सामंत की कार पर हमले का मामला

मुंबई ।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थक और पूर्व मंत्री उदय सामंत ने दावा किया है कि बीते मंगलवार की शाम को अज्ञात लोगों ने उनकी कार पर हमला कर दिया। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए 4 शिवसेना के कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। पूर्व मंत्री उदय सामंत ने बताया कि दो से तीन लोग हाथ में बेसबॉल की स्टीक व पत्थर लेकर आए और उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। इस दौरान उनकी गाड़ी के शीशे टूट गए। साथ ही यह भी कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है कि हमलावर मेरे पीछे या फिर सीएम शिंदे के काफिले के पीछे लगे हुए थे। पूर्व मंत्री उदय सामंत ने कहा कि मुख्यमंत्री से फोन पर बात हुई, उन्हें घटना की जानकारी दे दी है। उदय सामंत की कार पर जहां हमला हुआ, उससे कुछ देर पहले ही आदित्य ठाकरे की रैली थी। उदय सामंत ने इस हमले को प्री-प्लांड बताया है। वहीं सीएम शिंदे ने उदय सामंत पर हुए हमले को लेकर कहा कि इस तरह से जानलेवा हमला करना कोई मर्दानगी नहीं कायरता है। कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश हो रही है तो पुलिस कड़ी कार्रवाई कर रही है। अपराध होने पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस को बोलना नही पड़ता, जो कोई भी बयानों के जरिए माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुझे राज्य में शांति चाहिए। पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि मैंने अभी इसके बारे में मीडिया के माध्यम से सुना है। मैं लोगों से शांति की अपील करता हूं क्योंकि आने वाले चुनावों में लोग सबक सिखाएंगे।

उप-राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी धनखड़ का समर्थन करेगी बसपा : मायावती

लखनऊ ।

उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। मायावती ने कहा है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में बसपा, भाजपा नीत एनडीए प्रत्याशी जगदीप धनखड़ को, अपना समर्थन देगी। मायावती ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मायावती ने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मूर्मु को समर्थन दिया था। मायावती ने ट्वीट कर बताया कि देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में सत्ता व विपक्ष के बीच आम सहमति न बनने की वजह से ही इस पद के लिए अन्ततः चुनाव कराना पड़ा। अब, उपराष्ट्रपति पद के लिए दिनांक 6 अगस्त को चुनाव होने वाला है। बसपा ने ऐसे में उपराष्ट्रपति पद के लिए हो रहे चुनाव में भी व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए जगदीप धनखड़ को अपना समर्थन देने का फैसला किया है तथा जिसकी मैं आज औपचारिक रूप से घोषणा भी कर रही हूं।

राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि हमने एनडीए के राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किया है। हमने यह फैसला न तो भाजपा या एनडीए के समर्थन में और न ही विपक्ष के खिलाफ बल्कि अपनी पार्टी और आंदोलन को ध्यान में रखते हुए लिया है। उन्होंने कहा कि बसपा कमजोर, गरीब और उपेक्षित वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए अपने फैसले लेती रही है।

उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए 6 अगस्त को मतदान होना है। एनडीए ने जहां जगदीप धनखड़ को अपना उम्मीदवार बनाया है, वहीं विपक्ष की ओर से उप-राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा मैदान में हैं।

देश में कोरोना के 17,135 नए मामले सामने आए, 47 की मौत

- उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,37,057 पर पहुंची

नई दिल्ली ।

देश में एक दिन में कोरोना संक्रमितों के 17,135 नए मामले सामने आने के बाद देश में मरीजों की संख्या बढ़कर 4,40,67,144 हो गई। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,37,057 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण से 47 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,26,477 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,37,057 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.31 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,735 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.49 प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार दैनिक संक्रमण दर 3.69 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.67 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,34,03,610 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। वहीं राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 204.84 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

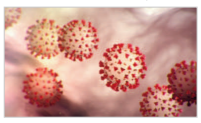

चलती गाड़ी से सैटेलाइट के जरिए होगी टोल वसूली, फास्टैग की भी जरूरत नहीं: नितिन गडकरी

नई दिल्ली ।

भारत में टोल वसूली प्रक्रिया में एक क्रांतिकारी कदम के तौर पर देखा गया और देशभर में इसे लागू किया गया। लेकिन अब इससे आगे बढ़कर वाहन के नंबर प्लेट के माध्यम से देश में उपग्रह आधारित टोल वसूली की प्रक्रिया शुरू किए जाने की तैयारी हो रही है। इसमें चलती गाड़ियों से सैटेलाइट के जरिए टोल वसूली हो जाएगी और फास्टैग की जरूरत नहीं होगी। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस बारे में बताया है। दरअसल, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी देते हुए इस बारे में बताया है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से टोल वसूली के सुधार की पूरी गुंजाइश है। इससे कोई ना तो टोल की चोरी कर सकता है और ना ही कोई बच सकता है। अब तक टोल नहीं देने पर सजा का प्रावधान भी नहीं है। इतना ही नहीं गडकरी ने बताया कि इसके मद्देनजर इस नई प्रौद्योगिकी को क्रियान्वित करने के लिए संसद में एक विधेयक लाने की प्रक्रिया जारी है। इसके बाद छह महीने के भीतर देश में यह व्यवस्था लागू करने की पूरी कोशिश की जा रही। इससे ना तो टोल बनाने की जरूरत होगी और ना ही कोई व्यक्ति बगैर टोल दिए जा सकेगा। इससे बचने की कोशिश करने वालों को सजा का प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वाहन निर्माताओं से वाहनों में जीपीआरएस की सुविधा देने के लिए कहा गया है ताकि इससे टोल वूसली में आसानी होगी और लोगों को भी राहत मिलेगी। अभी कोई व्यक्ति 10 किलोमीटर टोल रोड का उपयोग करता है लेकिन उसे 75 किलोमीटर का टोल चुकाना होता है लेकिन जीपीआरएस आधारित टोल वसूली प्रक्रिया शुरू होने पर जहां से वाहन टोल में प्रवेश करेगा और जब उससे उतरेगा वहीं तक का टोल लगेगा। इससे उपभोक्ताओं को भी बचत होगी। दूसरी तरफ गडकरी ने बताया कि देश में अभी 26 ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे बनाने का काम जोरशोर से जारी है। वर्ष 2024 तक देश में ये 26 ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे शुरू होने के बाद सड़क के मामले में भारत अमेरिका से पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पास कोई वित्तीय संकट नहीं है। हर वर्ष देश में पांच लाख करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण की क्षमता है। बैंक सड़क निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

कोविड टीकाकरण खत्म के बाद लागू किया जाएगा सीएए : अमित शाह

नई दिल्ली ।

पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को जल्द से जल्द लागू करने का आग्रह किया। इस पर शाह ने उन्हें आश्वासन दिया कि इसके बारे में नियम कोविड-19 रोधी टीके की एहतियाती खुराक देने की कवायद पूरी होने के बाद तैयार किए जाएंगे। सीएए के लिए नियम बनाए जाने से इसके कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त होगा। दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित अधिनियम को नियम तैयार नहीं किए जाने के कारण अभी तक लागू नहीं किया गया है। सरकार ने नियम तैयार न कर पाने के लिए महामारी के प्रकोप का हवाला दिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने शाह से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लगभग 100 नेताओं की एक सूची भी सौंपी, जो कथित रूप से भर्ती घोटाले में शामिल थे, जिसमें राज्य के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया गया है। घोटाले में शामिल सभी लोगों को बेनकाब करने के लिए व्यापक जांच की मांग करते हुए अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री को विधायकों सहित कुछ टीएमसी नेताओं के लेटरहेड भी दिए, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर रिश्वत लेकर नौकरियों के लिए कुछ नामों की सिफारिश करने के वास्ते किया गया था।

उन्होंने शाह से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में उनके कार्यालय में 45 मिनट तक मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने उन्हें बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार किस तरह शिक्षक भर्ती घोटाले जैसी भ्रष्ट गतिविधियों में पूरी तरह से डूबी है। उनसे सीएए को जल्द से जल्द लागू करने का भी अनुरोध किया। अधिकारी ने कहा कि सीएए लागू करना पश्चिम बंगाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जहां बड़ी संख्या में लोग इसके प्रावधानों से लाभान्वित हो सकते हैं। सीएए 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था और 24 घंटे के भीतर 12 दिसंबर को इसे अधिसूचित कर दिया गया था। हालांकि, इसका कार्यान्वयन अटका हुआ है, क्योंकि अभी तक नियम नहीं बनाए गए हैं। सीएए के

खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुए थे और आलोचकों का कहना है कि यह मुसलमानों के साथ पक्षपात करता है। मई में, बंगाल में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा था कि कोविड महामारी समाप्त होने के बाद कानून को लागू किया जाएगा। यह कानून पड़ोसी देशों- बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के ऐसे उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करने की बात कहता है, जो 31 दिसंबर 2014 तक भारत आ गए थे।

तिरंगा लिए नेहरू की तस्वीर वाली डीपी लगाएंगे कांग्रेस नेता : जयराम रमेश

नई दिल्ली ।

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा लोगों से अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रोफाइल तस्वीर के रूप में 'तिरंगा' लगाने की अपील पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी नेता देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की हाथ में तिरंगा वाली तस्वीर को डीपी (डिस्प्ले पिक्चर) के रूप में लगाएंगे। देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि जिन्होंने अपने मुख्यालय पर आजादी के बाद 52 साल तक तिरंगा नहीं फहराया, क्या वे भी पीएम मोदी की बात मानेंगे? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, वर्ष 1929 के लाहौर अधिवेशन में रावी नदी के तट पर झंडा फहराते हुए पंडित नेहरू ने कहा था एक बार फिर आपको याद रखना है कि अब यह झंडा फहरा दिया गया है। जब तक एक भी हिंदुस्तानी मर्द, औरत, बच्चा जिंदा है, यह तिरंगा झुकना नहीं चाहिए। देशवासियों ने ऐसा ही किया। उन्होंने कहा हम हाथ में तिरंगा लिए अपने नेता नेहरू की डीपी लगाएंगे। उन्होंने कहा कि लगता है प्रधानमंत्री मोदी का संदेश उनके परिवार तक नहीं पहुंचा। जिन्होंने 52 वर्षों तक नागपुर में अपने मुख्यालय में झंडा नहीं फहराया, वे क्या प्रधानमंत्री की बात मानेंगे? कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने आरएसएस और इसके प्रमुख मोहन भागवत के ट्विटर प्रोफाइल के स्क्रीन शॉट साझा करते हुए कहा संघ वालो, अब तो तिरंगे को अपना लो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित केंद्र की सत्ताधारी पार्टी के अन्य नेताओं ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट की 'डिस्प्ले' तस्वीर पर मंगलवार को 'तिरंगा' लगाया और लोगों से भी ऐसा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने गत रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' जन आंदोलन में बदल रहा है। उन्होंने लोगों से दो अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने सोशल मीडिया खातों पर प्रोफाइल तस्वीर के रूप में 'तिरंगा' लगाने का अनुरोध किया था।

राहुल गांधी करेंगे इनकार तो अशोक गहलोत को पार्टी अध्यक्ष बना सकती है कांग्रेस: सूत्र

नई दिल्ली ।

कांग्रेस सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर सामने आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक अगर राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनने से इनकार करते हैं तो पार्टी अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष बना सकती हैं दरअसल पार्टी सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी अब भी कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने में हिचकिचा रहे हैं। संगठन चुनाव की प्रक्रिया चल रही है, सितंबर अक्टूबर में नया अध्यक्ष चुने जाने की समय सीमा तय की गई है, लेकिन राहुल ने अब तक स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में अधीर रंजन चौधरी के सवाल पर राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद संभालने की संभावना पर विचार करने को कहा था। इसी वजह से पार्टी अशोक गहलोत के नाम पर भी विचार कर रही है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में पार्टी के मामलों में उनकी सक्रियता बढ़ी है। हालांकि अशोक गहलोत राजस्थान के सीएम का पद नहीं छोड़ना चाहते। लेकिन पार्टी में मंथन जारी है और राहुल गांधी को मनाने की कोशिश होगी। लेकिन राहुल गांधी फाइनल तौर पर इंकार करते हैं तो राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना पर मंथन हो रहा है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की घोषणा करें पीएम मोदी : मीर

जम्मू ।

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वह 15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन में केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और वहां विधानसभा चुनाव कराने का ऐलान करें। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के नेता जीए मीर ने कहा कि पार्टी आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देश के हर जिले में 75 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकालेगी। उन्होंने बताया कि तिरंगा यात्रा नौ से 14 अगस्त तक जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में भी निकाली जाएगी। मीर ने कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की घोषणा करने के अलावा वहां जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने का अनुरोध किया है।

दिल्ली हाई कोर्ट की फटकार से भी नहीं रुकी कांग्रेस बार विवाद में भी स्मृति ईरानी को घेरा

नई दिल्ली ।

सिली सोल्स कैफे एंड बार मामले में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर कांग्रेस का हमला जारी है। बुधवार को पार्टी ने जीएसटी नंबर को लेकर एक बार फिर ईरानी पर सवाल उठाए हैं। साथ ही इस बार गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से भी बयान जारी करने की मांग की गई है। खास बात है कि इस मामले में उच्च न्यायालय भी कांग्रेस नेताओं को फटकार लगा चुका है। कांग्रेस ने आरोप लगाए हैं कि एटॉल फूड एंड बेवरेजेस को दिया गया जीएसटी नंबर विवादों में घिरे हुए बार जैसा ही है। कांग्रेस के प्रवक्ता गिरीश चूड़ांकर ने कहा, %इस बात में कोई शक नहीं है कि स्मृति ईरानी और उनका परिवार सिली सोल्स कैफे और बार चलाता है... वह यहां कुछ नहीं छिपा सकती हैं, यह एक ओपन एंड शट केस है। उन्हें झूठ बोलने की आदत है। उन्होंने आरोप लगाए कि सिली सोल्स में वहीं एड्रेस दर्ज है, जो एटॉल फूड एंड बेवरेजेस का है, जिसका संचालन ईरानी के पति करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी को मिला जीएसटी नंबर भी सिली सोल्स से मिलता जुलता है। चूड़ांकर ने ईरानी को आदतन झूठ बोलने वाला बताया है। उन्होंने इसके लिए भाजपा नेता की योग्यता से जुड़े मुद्दे का जिक्र किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि साल 2019 में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते वक्त ईरानी ने जानकारी दी थी कि उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से

1994 में बी कॉम पार्ट 1 किया है। उन्होंने जानकारी दी कि 2004 में दिल्ली के चांदनी चौक में जमा किए गए हलफनामे में उन्होंने 1996 में डीयू स्कूल ऑफ करसपॉन्डेंस से बीए करने का दावा किया।

केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही केंद्र सरकार: खड़गे

नई दिल्ली ।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर नियम 267 के तहत तत्काल चर्चा कराने की मांग की। सभापति एम वेंकैया नायडू ने इस संबंध में खड़गे के नोटिस को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी, आप के संजय सिंह और राघव चड्ढा की ओर से नियम 267 के तहत विभिन्न मुद्दों पर दिए गए नोटिस को भी अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह ऐसे मुद्दे हैं, जिनके लिए सदन का कामकाज स्थगित नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने खड़गे और चतुर्वेदी को अपनी बात रखने का मौका दिया। खड़गे ने कहा कि उन्होंने नियम 267 के तहत जो नोटिस दिया वह बहुत महत्वपूर्ण है और उस पर सदन में चर्चा की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी स्वायत्त संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है और मौजूदा सत्तारूढ़ सरकार राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बैरभाव से यह कर रही है। अभियान चलाकर राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडिया और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को गिराने के लिए इन एजेंसियों का उपयोग किया जा रहा है। खड़गे ने इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की, लेकिन सभापति ने इसे अस्वीकार कर दिया। चतुर्वेदी ने कहा कि

राज्यसभा राज्यों की परिषद है और ईडी ने सदन के एक वर्तमान सदस्य और उनकी पार्टी के नेता को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा नियमों के मुताबिक ईडी को इसकी पूर्व सूचना सभापति को देनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा न करके उन्होंने सभापति की संवैधानिक स्थिति को कमजोर किया है। इसके बाद राज्यसभा में शून्यकाल सामान्य रूप से चला और सदस्यों ने इसके तहत अपने अपने मुद्दे उठाए। इससे पहले, उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए।

पीएम मोदी के आह्वान पर मांझी ने भी बदली अपनी प्रोफाइल पिक्चर, लगाया तिरंगा

पटना ।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार 31 जुलाई को प्रसारित कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा था कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' एक जनांदोलन के रूप में बदल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि 2 से 15 अगस्त के बीच अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्रोफाइल पिक्चर के रूप में 'तिरंगे' की तस्वीर लगाएं। पीएम मोदी ने स्वयं अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्रोफाइल पिक्चर बदल कर राष्ट्र ध्वज तिरंगे की तस्वीर लगा दी है। इसके बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भी अपनी प्रोफाइल में तिरंगे की फोटो लगाई। इसी क्रम में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने भी पीएम मोदी के इस आह्वान पर अमल करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट की प्रोफाइल पिक्चर में राष्ट्र ध्वज तिरंगे की तस्वीर लगाई। पीएम मोदी ने यह आह्वान देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर हर घर तिरंगा योजना के तहत किया गया है। इसमें हर नागरिक को अपने घर पर 13 अगस्त से 15 अगस्त तक तिरंगा लगाने की अपील की गई है। मगर सियासत के जानकारों की नजर में जीतन राम मांझी द्वारा पीएम मोदी के इस आह्वान का समर्थन का मतलब कुछ खास है। दरअसल, हाल के दिनों में जिस तरह से बिहार की सियासत में अंदरुनी हलचल की बात होने लगी है, ऐसे में मांझी पीएम मोदी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इससे पहले सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर ईडी द्वारा पूछताछ को भी मांझी ने सही ठहराया था और पीएम मोदी की तारीफ भी की थी। हाल में ही जब प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछताछ पर एक प्रेस कांफ्रेस में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाए तो मांझी ने ट्वीट कर जवाब देते हुए कहा था कि देश के जनता ने नरेन्द्र मोदी को इसीलिए चुना है ताकि भ्रष्टाचारियों में भय और आतंक कायम हो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को जीतन राम मांझी ने उसे उचित ठहराते हुए अपने ट्वीट में लिखा, भ्रष्टाचरियों में भय और आतंक हो इसी काम के लिए तो देश की जनता ने नरेन्द्र मोदी को चुना है। जय हिंद! अपने ट्वीट में मांझी ने पीएम नरेन्द्र मोदी को भी टैग किया था।

नेपाल में भारी वर्षा से बिहार के कई जिलों में बाढ़, नदियां उफनी, रिहाइशी इलाकों में जलभराव

पटना ।

नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हुई बारिश ने बिहार में परेशानी बढ़ा दी है। गंडक, बागमती व कोसी समेत छोटी नदियां उफन रही हैं। स्थिति यह है कि गंडक नदी का जलस्तर अब भी तीन लाख क्यूसेक से नीचे नही उतरा है। वाल्मीकि नगर गंडक बराज से तीन लाख क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज गंडक नदी में हो रहा है। मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक करीब 12 घंटे में तीन लाख क्यूसेक का डिस्चार्ज गंडक में हुआ। नेपाल में लगातार बारिश हो रही है और इस कारण जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नेपाल की नारायणी नदी के जलस्तर में कमी नहीं होने से परेशानी बढ़ती जा रही है। देर रात वाल्मिकी नगर गंडक बराज में जल स्तर 3।17 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया था। उल्लेखनीय है कि बराज के सभी 36 फाटक खोल दिए गए हैं। गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद बगहा के पिपरासी प्रखंड के सेमरा लबेदहा पंचायत के भैसाहिया और कांटी टोला गांव में अब पानी प्रवेश कर रहा है। गांव में पानी घुटने के बाद लोग सुरक्षित स्थानों पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। सेमरा-लबेदहा पंचायत गंडक नदी के निचले इलाके में हैं। गंडक नदी के जलस्तर 3 लाख क्यूसेक पार करने के बाद नदी का पानी अब इन इलाकों में घुस रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत पैदा हो गई है। पंचायत के स्तर से गांव में बचाव एवं राहत कार्य चलाया जा रहा है। गोपालगंज में भी गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी है। गंडक खतरे के निशान से डेढ़ मीटर ऊपर बह रही है। तटबंध के अंदर बसे 12 गांवों में पानी घुस गया है और सदर प्रखंड के साथ ही मांझा प्रखंड के कई गांवों का सड़क संपर्क टूट गया है। गंडक नदी के तटबंधों पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पतहरा छरकी तटबंध पर पानी का दबाव है। तटबंध को बचाने के लिए बनाए गए कई बेडवार डूब चुके हैं। सदर प्रखंड के मशानथाना छरकी पर भी दबाव है। ग्रामीण तटबंध पर बढ़े दबाव को रोकने की मांग कर रहे हैं।

वाल्मिकी नगर बराज से पानी के लगातार छोड़े जाने के बाद गोपालगंज के आधा दर्जन गांव का सड़क संपर्क प्रखंड मुख्यालयों से टूट चुका है। रामनगर प्लस- टू स्कूल समेत 6 प्रखंड के 12 से ज्यादा गांव में पानी फैल चुका है। सड़कों पर कमर भर पानी भरने से वाहनों का परिचालन पूरी तरह से ठप हो चुका है। लोग जान जोखिम में डालकर रोजमर्रा की सामान खरीदने के लिए बाहर निकल रहे हैं। इन इलाकों में नाव का इंतजाम नहीं होने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। सीतामढ़ी और शिवहर जिले में भी नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हो रहे बारिश से मुश्किलें बढ़ गई हैं। बागमती नदी के जलस्तर में भी लगातार वृद्धि हो रही है। इस कारण शिवहर मोतिहारी स्टेट हाईवे 54 पर बेलवा और देवापुर के बीच कच्ची सड़क पर पानी का तेज बहाव दूसरे दिन भी जारी है। शिवहर मोतिहारी स्टेट हाईवे पर पर आवागमन बंद हो गया है; वहीं नरकटिया गांव की तरफ भी पानी का तेज बहाव होने लगा है।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए बुरी खबर 2 बड़े नेता छोड़ सकते हैं हाथ

नई दिल्ली । गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को दो और बड़ा झटका लग सकता है। अटकलें हैं कि पूर्व मंत्री नरेश रावल और राज्यसभा सांसद राजू परमार जल्द ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम सकते हैं। चुनाव से ठीक 4 महीने पहले इस तरह बड़े नेताओं के साथ छोड़ने से पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। बताया जा रहा है कि गुजरात प्रभारी रघु शर्मा और पार्टी नेताओं के बीच सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, रघु शर्मा और कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर के बीच टकराव चल रहा है। एक तरफ जहां आम आदमी पार्टी अपने 10 उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है और भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरों के जरिए अभियान को धार देने में जुटी है, कांग्रेस पार्टी को घर संभालने में मेहनत करनी होगी। गुजरात में कांग्रेस को पहले ही कई झटके लग चुके हैं। हार्दिक पटेल, जयराजसिन्ह परमार, केवल जोशियारा, इंद्रनिल राजगुरु, श्वेता ब्रह्मभट्ट जैसे नेता पहले ही पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। पाटीदार समुदाय के बड़े नेता और कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रहे हार्दिक पटेल अब भगवा ओढ़ चुके हैं। गुजरात में इस बार आम आदमी पार्टी (आप) भी काफी मेहनत कर रही है। पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल यहां संगठन को मजबूती देने के साथ लोकलुभावन वादों के जरिए अपनी जगह बनाने की कोशिश में हैं। %आप% के लिए भले ही भाजपा से उसके सबसे बड़े गढ़ में सत्ता छीनना मुश्किल दिख रहा हो, लेकिन पार्टी कांग्रेस के वोट पर कब्जा करने की पूरी कोशिश करेगी। खुद अरविंद केजरीवाल अपनी कई रैलियों में इरादे जाहिर कर चुके हैं।

शिवसेना का झगड़ा सड़कों पर

मुंबई । शिवसेना में कब्जे की जंग तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग में शिवसेना में किसका कब्जा है। इसको लेकर लड़ाई चल रही है। वहीं मुंबई की सड़कों और शिवसेना के कई कार्यालयों में भी पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच झगड़े शुरू हो गए हैं। हाल ही में पार्टी दफ्तर में बाला साहब ठाकरे और उद्धव ठाकरे के फोटो के बगल में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे का फोटो लगाने पर विवाद हो गया। शिवसेना के कार्यकर्ताओं में उद्धव ठाकरे एवं शिंदे समर्थकों के बीच मारपीट हुई।जिसके कारण मुंबई और ठाणे के कई क्षेत्रों में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

यूपी बिहार दिल्ली में बच्चों का सर्वाधिक यौन शोषण

नई दिल्ली । महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की जो रिपोर्ट प्रस्तुत हुई है। उसमें बाल यौन शोषण के मामले में उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान पहले पांच राज्यों में शामिल हैं। रिपोर्ट में 2019 से जून 2022 तक के यौन शोषण के मामले को शामिल किया गया है। पिछले 4 सालों में यौन शोषण के 7595 मामले दर्ज किए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 2973 मामले उत्तर प्रदेश राज्य में दर्ज हुए हैं। बिहार में 511 दिल्ली में 437 हरियाणा में 411 राजस्थान में 410 मध्यप्रदेश में 374 तमिलनाडु में 310 झारखंड में 287 महाराष्ट्र में 261 तेलंगाना में 210 पश्चिम बंगाल में 168 छत्तीसगढ़ में कर्नाटक में 140 उड़ीसा में 128 पंजाब में 122 गुजरात में 120 आंध्र प्रदेश में 112 उत्तराखंड में 64 असम में 64 केरल में सबसे कम 60 मामले बाल यौन शोषण के दर्ज हुए हैं।

मिस्र में ढूंढ निकाला एक और पुराना सूर्य मंदिर

- यह हो सकता है प्राचीन मिस्र के 5वें साम्राज्य का

नई दिल्ली । मिस्र में एक और करीब 4500 साल पुराना सूर्य मंदिर ढूंढ निकालने का दावा किया जा रहा है। अवशेषों को देखकर पुरातत्व विभाग द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है कि कच्ची ईंटों से बना यह बिल्डिंग एक 'सूर्य मंदिर' का है जो कि प्राचीन मिस्र के 5वें साम्राज्य का हो सकता है। इससे पहले, पिछले साल भी मिस्र में एक सूर्य मंदिर के अवशेष मिले थे। मंत्रालय की तरफ से आगे कहा गया- यह बिल्डिंग पांचवें साम्राज्य के खोए हुए सूर्य की 4 मंदिरों में से एक हो सकती है जिसका उल्लेख कई ऐतिहासिक किताबों में किया गया है।मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि मंदिर की इमारत के कुछ हिस्सों को पांचवें साम्राज्य के छठे शासक फारोह ने अपने शासन के दौरान धवस्त करवा दिया था।ताकि वह वहां अपना मंदिर बनवा सके.रिसर्च के दौरान आर्कियोलॉजिकल विभाग के लोगों को बिल्डिंग के अंदर से मिट्टी के कुछ बर्तन और बियर ग्लास भी मिले हैं, जो कि उन्हें उनके रिसर्च में मदद कर सकती है।जमीन के अंदर से कुछ टिकट भी मिले हैं जिन पर पांचवें साम्राज्य के राजाओं के नाम हैं।फोटो में मंत्रालय ने उन जगहों को भी दिखाया है जहां आर्कियोलॉजिकल विभाग अभी भी काम कर रहा है।19वीं सदी में भगवान आरए का पहला सूर्य मंदिर मिला था।इसलिए इसे भी एक महत्वपूर्ण खोज माना जा रहा है, जिससे मिस्र के प्राचीन इतिहास को समझने में इतिहासकारों को मदद मिल सकती है।देश में मौजूद इन 6 या 7 मंदिरों में से अब तक 2 को ही खोजा जा सका है। बता दें कि इटली और पोलैंड की ओर से संयुक्त खोज अभियान मिस्त्र में चलाया जा रहा है। मिस्र के पुरावशेष और पर्यटन मंत्रालय ने इस खोज के बारे में इंस्टाग्राम पर 30 जुलाई को बताया।मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया- यह ज्वाइंट इटालियन-पॉलिश आर्कियोलॉजिकल मिशन है। जो कि किंग नायसेरे के मंदिर पर काम कर रही है।इस मंदिर के नीचे कच्ची ईंटों की एक बिल्डिंग के अवशेष मिले हैं.यह मंदिर मिस्र की राजधानी काहिरा के दक्षिणी हिस्से में बसे अबुसीर इलाके से मिला है।यह किंग नायसेरे के मंदिर के नीचे था।

गैर मुस्लिम यूट्यूबर ने किया मक्का जाने का दावा, बताया कैसी ली मक्का में एंट्री और खींची तस्वीर

नई दिल्ली। एक गैर मुस्लिम तेलगू यूट्यूबर ने अपने लाइव चैट के दौरान दावा किया है कि वो सऊदी अरब में इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल मक्का घूमकर वापस आया है। तेलगू यूट्यूबर के इस दावे के बाद से देश में नया विवाद खड़ा हो गया है और लोग सऊदी नियमों का उल्लंघन करने के खिलाफ उसपर कड़ा एक्शन लेने की मांग कर रहे है। उसने लाइव चैट पर बताया कि कैसे उसने मक्का में प्रवेश किया और वहां अपने मोबाइल फोन से तस्वीर तक ली। इस तेलगू यूट्यूबर ने अपनी खींची हुई तस्वीर लोगों को लाइव चैट के दौरान दिखाई जिसमें वह मस्जिद के करीब खड़ा है और दुआ मांगता देख रहा है। इसके अलावा एक वीडियो का भी खुलासा हुआ है जिसमें यूट्यूबर ने खुलासा किया है कि मक्का में एंट्री लेते समय उसे कुछ कुरान की आयतें पढ़ने के लिए कहा गया। यूट्यूबर ने आयतें पढ़ी, जिसके बाद उसकी एंट्री मदीना में हो गई। इस दावे के बाद से लोग सऊदी अरब के अधिकारियों से कारवाई करने की मांग कर रहे है। कुछ नेटिजन्स कमेंट कर रहे है कि उसे इसकी 8-10 साल की जेल हो सकती है। वहीं अन्य यूजर ने कहा कि, नियमों का उल्लंघन करने पर मक्का में प्रवेश करने पर मौत की सजा का सामना करना पड़ता है। कई यूजर ने सऊदी अधिकारियों को टैग किया है और सख्त सजा की मांग की है।

अमेरिका ने पुतिन की गर्लफेंड का वीजा फीज किया, संपत्तियों पर भी लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन । रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की वजह से पुतिन की गर्लफेंड और पूर्व जिम्नास्ट अलीना कबाएवा का अमेरिका ने वीजा फीज कर दिया है। यहीं नहीं अलीना की संपत्ति पर भी अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया है। यह जानकारी अमेरिकी वित्त विभाग ने दी है। यह प्रतिबंध रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नजदीकी सदस्यों पर लगाया गया है। अमेरिका के वित्त विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, बाइडन प्रशासन ने पूर्व ओलंपिक जिमनास्ट और रूसी संसद की पूर्व सदस्य अलीना कबाएवा पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। कुछ दिनों पहले यह भी चर्चा चल रही थी कि पुतिन जल्द ही एक बार फिर से पिता बनने वाले है और इस बच्चे की मां और कोई नहीं बल्कि खुद उनकी गर्लफेंड अलीना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुतिन और अलीना के पहले से ही दो बच्चे है और अब वह तीसरे बच्चे को जन्म देने जा रही है। गौरतलब है कि अमेरिका ने अप्रैल में पुतिन की दो बेटियों कैटरीना व्लादिमीरोवना तिखोनोवा और मारिया व्लादिमीरोवना वोरोत्सोवा पर भी प्रतिबंध लग दिए थे।

बलूचिस्तान में पाक सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, छह सैन्य अफसरों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बाढ़ राहत अभियान में तैनात एक सैन्य हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हेलीकाप्टर में सवार लेफ्टिनेंट जनरल और पांच वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई है। बताया जाता है कि खराब मौसम की वजह से हेलीकॉप्टर का एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क टूट गया था, जिस वजह से इतना बड़ा हादसा हो गया।

इस हेलीकॉप्टर का मलबा लासबेला जिले के मूसा गोथ में मिला है। घटना में लेफ्टिनेंट जनरल सरफराज अली जो बलूचिस्तान प्रांत में बाढ़ राहत कार्यों की निगरानी कर रहे थे और उनके साथ सवार सभी 5 वरिष्ठ अधिकारियों की मौत हो गई है। पाकिस्तान के सशस्त्र बलों के मीडिया विंग ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार खराब मौसम के कारण दुर्घटना हुई है। बाढ़ राहत अभियान में जा रहे इस हेलीकाप्टर में पायलट मेजर सैयद, सह-पायलट मेजर तलहा, तटरक्षक बल के महानिदेशक ब्रिगेडियर अमजद, इंजीनियर ब्रिगेडियर खालिद और मुदस्सिर शामिल थे। अधिकारीयों ने बताया हेलीकाप्टर ने सोमवार शाम पांच बजकर 10 मिनट पर लासबेला के शहर उथल से उड़ान भरी थी जिसके बाद इसे कराची में उतरना था, लेकिन खराब मौसम के वजह से हवाई यातायात नियंत्रक से संपर्क टूट गया था। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद ने मंगलवार को इस घटनाक्रम की जानकारी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को फ़ोन पर दी। शरीफ ने इस हादसे पर दुख जताया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है, यह पाकिस्तान के लिए दुखद खबर है। पाकिस्तान के प्रांत बलूचिस्तान में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ ने कहर बरपा रखा है। बाढ़ से अब तक 478 लोगों की मौत हो गई है। प्रभावित जिलों में बचाव और राहत के प्रयास में सैन्य अधिकारी जुटे हुए है।

नैंसी पेलोसी की ताइवान की राष?ट्रपति से ऐतिहासिक मुलाकात, अमेरिका ने कहा- ताइवान का हमेशा साथ देंगे

ताइपे । अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन से मुलाकात की। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने कहा कि 'मैं अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी का हार्दिक स्वागत करती हूं। उपराष्ट्रपति और मुझे स्पीकर द्वारा अमेरिका-ताइवान संबंधों को लेकर कॉल आते रहे हैं। हमारी इस मुलाकात के लिए मैं खुश हूं' उन्होंने आगे कहा कि 'अमेरिकी स्पीकर पेलोसी वास्तव में ताइवान के सबसे समर्पित मित्रों में से एक हैं। ताइवान के लिए अमेरिकी कांग्रेस के कट्टर समर्थन को प्रदर्शित करने के लिए ताइवान की यह यात्रा करने के लिए हम आपके आभारी हैं'। वहीं ताइवान में अमेरिकी स्पीकर पेलोसी ने कहा कि 'अमेरिका ने हमेशा ताइवान के साथ खड़े रहने का वादा किया है। इस मजबूत नींव पर, हमारी आर्थिक समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध क्षेत्र और दुनिया में पारस्परिक सुरक्षा पर केंद्रित स्व-सरकार और आत्मनिर्णय पर आधारित एक संपन्न साझेदारी है'। उन्होंने आगे कहा कि 'ताइवान में लोकतंत्र फल-फूल रहा है। इसने दुनिया को साबित कर दिया है कि आशा, साहस और दृढ़ संकल्प चुनौतियों के बावजूद शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य का निर्माण कर सकता है। अब, पहले से कहीं अधिक, ताइवान के साथ अमेरिका की एकजुटता महत्वपूर्ण है, आज हम यही संदेश लेकर आए हैं'। बता दें कि चीन ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान यात्रा करने से द्विपीक्षय संबंधों पर 'गंभीर असर' पड़ेगा क्योंकि यह क्षेत्र की शांति और स्थिरता को 'गंभीर रूप से कमजोर' करता है। वहीं चीन की सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि सेना उनकी यात्रा का मुकाबला करने के लिए 'लक्षित' अभियान चलाएगी।

ओमीक्रॉन: ज्यादातर मरीजों ने की रात में नींद नहीं आने शिकायत

-ये हैं ओमिक्रॉन के सब-वेरिएंट बीए.5 के नए लक्षण

लंदन । एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूके में ओमिक्रॉन बीए.5 वेरिएंट के कोविड केस तेजी से बढ़ रहे हैं। इस वेरिएंट से संक्रमित ज्यादातर मरीजों ने रात में नींद नहीं आने और सोते वक्त बहुत पसीना आने की शिकायत की है। ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन के प्रोफेसर ल्यूक ओ'नील ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक आयरिश रेडियो स्टेशन को बताया, 'बीए.5 वेरिएंट का एक अतिरिक्त लक्षण मैंने आज सुबह देखाज। रात का पसीना।' इस सवाल का जवाब देते हुए कि लोगों में ये नए लक्षण क्यों दिख रहे हैं?

प्रो ओ'नील ने कहा, 'ये बीमारी थोड़ी अलग है, क्योंकि वायरस ने अपना स्वरूप फिर से बदल लिया है।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, इसमें कुछ इम्यूनिटी भी है। स्पष्ट रूप से टी-कोशिकाओं के साथ इम्यूनिटी बन रही है। इसी तरह आपका कमजोर इम्यूनिटी सिस्टम और वायरस का स्वरूप थोड़ा अलग होने से मौत हो सकती है। अगर आपको रात में सोते वक्त खूब पसीना आ रहा है, तो सतर्क हो जाइए। अपना कोविड टेस्ट जरूर कराएं।' प्रो ओ'नील ने कहा, 'बहुत महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर आप फुली वैक्सीनेटेड हैं और बूस्टर डोज भी ले लिया है, तो आपको डरने की जरूरत नहीं है। अगर संक्रमण हो भी गया, तो बहुत हल्के लक्षण होंगे।' हालांकि,नई स्टडी से पता चला है कि इस वेरिएंट के खिलाफ कोविड-19 के टीके चार गुना अधिक प्रतिरोधी हैं।

इसका मतलब ये हुआ कि जिन लोगों ने अब तक वैक्सीन नहीं लगाई है या बूस्टर डोज नहीं लिया है, उनके सब-वेरिएंट से संक्रमित होने की चार गुना ज्यादा आशंका है। जबकि अस्पताल में भर्ती होने की संभावना 7.5 गुना अधिक है। साथ ही मौत होने की संभावना 14 से 15 गुना है। बीए.5 को पहली बार दक्षिण अफ्रीका में फरवरी में खोजा गया था। उसी देश में बीए.4 की पहचान के एक महीने बाद इस सब-वेरिएंट की पुष्टि हुई। यहीं से ये दोनों सब-वेरिएंट दुनियाभर में फैले हैं। ब्रिटेन और यूरोप में इसका संक्रमण तेजी से फैल रहा है।

अमेरिका में भी इसके केस पाए गए हैं। बता दें कि भारत समेत दुनियाभर में कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट के सब-वेरिएंट बीए.4 और बीए.5 के मामले सामने आए हैं। भारत में ओमिक्रॉन के सब वेरिएंट बीए.4 और बीए.5 ने दस्तक दे दी है। ब्रिटेन में भी इस सब-वेरिएंट के केस आ रहे हैं। इस बीच ब्रिटेन की एक एजेंसी ने नए सब-वेरिएंट से संक्रमण के नए लक्षणों का पता लगाया है।

कंसास में गर्भपात कानून के समर्थक इसपर रोक लगाने वाले कानून के विरोध में हुए मतदान पर खुशी व्यक्त करते हुए।

यूक्रेन युद्ध में पर्दे के पीछे से शामिल है अमेरिका, रूस ने लगाया आरोप

मॉस्को । रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर मॉस्को ने आरोप लगाया है कि अमेरिका अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में शामिल है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि वाशिंगटन युद्ध में सीधे तौर पर शामिल था और उसने खुफिया जानकारी दी थी, जिसके कारण नागरिकों की सामूहिक मौतें हुई थी।

रूस ने कहा कि पूर्वी डोनबास और अन्य क्षेत्रों में आबादी वाले क्षेत्रों पर कीव द्वारा किए गए रॉकेट हमलों के लिए अमेरिका जिम्मेदार है। रूस के मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा कि यह निर्विवाद रूप से साबित करता है कि व्हाइट हाउस और पेंटागन के दावों के विपरीत वाशिंगटन यूक्रेन में संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल है। बाइडेन प्रशासन ने फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से कीव को सुरक्षा सहायता में अब तक 8 बिलियन से ज्यादा राशि दी है, जिसमें सोमवार को घोषित की गई अतिरिक्त 550 मिलियन डालर की किश्त भी शामिल है।

अमेरिका इससे इनकार करता आया है कि वह इस सैन्य संघर्ष में शामिल है। क्रेमलिन का यह बयान यूक्रेन के सैन्य खुफिया विभाग के कार्यवाहक उप-प्रमुख वादिम स्किबिट्स्की के एक साक्षात्कार के बाद आया है। स्किबिट्स्की ने कहा कि अमेरिका द्वारा निर्मित लंबी दूरी की हिमर आर्टिलरी सिस्टम रूसी ईंधन और गोला-बारूद के ढेर को खत्म करने में बेहद प्रभावी रही है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा कि यूक्रेन युद्ध में अमेरिका की प्रत्यक्ष भागीदारी के लिए अब किसी दूसरी पुष्टि की जरूरत नहीं है।

इस्लामी चरमपंथ पर होगा फुल एक्शन, सुनक बोले, देश से नफरत करने वालों को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे

लंदन (एजेंसी)।

भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार ऋषि सनक ने इस्लामिक चरमपंथ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया है। सुनक ने मौजूदा आतंकवाद कानून को मजबूत करने के साथ ब्रिटेन के सबसे 'महत्वपूर्ण आतंकवादी खतरे' इस्लामी चरमपंथ पर कार्रवाई करने का संकल्प लिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट की रेस में प्रतिद्वंद्वी विदेश सचिव लिज़ ट्रस के साथ मुकाबले में काफी आगे निकलते दिखाई दे रहे हैं। सुनक ने ब्रिटेन में चरमपंथ को बढ़ावा देने वाले संगठनों को बाहर निकालने इस्लामी चरमपंथ से निपटने के लिए कार्य योजना बनाने की बात कही है।

सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्यों के वोट जीतने के लिए चल रहे अभियान के तहत कहा कि एक प्रधानमंत्री के लिए हमारे देश और हमारे लोगों को सुरक्षित रखने से ज्यादा महत्वपूर्ण कर्तव्य कोई और नहीं है। चाहे इस्लामी चरमपंथ से निपटने के हमारे प्रयासों को फिर से शुरू करना हो या हमारे देश के प्रति घृणा में मुखर लोगों को जड़ से उखाड़ फेंकना हो, मैं उस कर्तव्य को पूरा करने के लिए जो कुछ भी करना होगा वह करूंगा। ब्रिटेन स्वतंत्रता, सहिष्णुता और विविधता का प्रतीक है। हमें उन लोगों को कभी सफल नहीं होने देना चाहिए जो हमारे जीवन के तरीके को कमजोर और नष्ट करना चाहते हैं। रेडी4 ऋषि अभियान दल ने इस्लामी चरमपंथ से निपटने और ब्रिटेन को आतंकवाद से बचाने के लिए 'महत्वाकांक्षी योजनाओं' के रूप में करार दिया गया विवरण जारी किया। बयान में कहा गया है कि ऋषि ब्रिटेन के सबसे महत्वपूर्ण आतंकी खतरे इस्लामी चरमपंथ पर फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और सरकार की चरमपंथ की परिभाषा को व्यापक करेंगे ताकि हमारे देश को बदनाम करने वालों को रोका जा सके। ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एकमात्र सबसे बड़ा आतंकी खतरा इस्लामी चरमपंथ है।

ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर, भड़क सकती है तीसरे विश्वयुद्ध की चिन्गारी

बीजिंग् (एजेंसी)।

अमेरिका और चीन के बीच अमेरिकी प्रतिनिधि-सभा की अध्यक्ष नैंसी पलोसी की ताइवान यात्रा को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। नैंसी पेलोसी के ताइवान पहुंचने के बाद चीनी सेना ने ताइवान के चारों ओर 6 जगहों से लाइव फायर ड्रिल शुरू कर दी है। अमेरिका और चीन दोनों ने ही दक्षिण चीन सागर में परमाणु हथियारों से लैस युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। दो महाशक्तियों के बीच जंग जैसे हालात निर्मित होने से तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका पैदा हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने चेतावनी दी है कि एक गलती से परमाणु तबाही आ सकती है। ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच जिस तरह तनाव निर्मित हो रहा है, उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना एक अतियथार्थवादी विचार नहीं है कि तीसरा विश्वयुद्ध भड़क सकता है। ताइवान की संसद में नैंसी पेलोसी ने ऐलान किया कि अमेरिका कभी भी ताइवान को अकेला नहीं छोड़ेगा, वहीं ताइवानी राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने कहा कि हम धमकियों के आगे झुकेंगे नहीं। पेलोसी ने कहा कि ताइवान के साथ दोस्ती पर सभी को गर्व है। हम ताइवान के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाएंगे। उधर, चीन ने चेतावनी दी है कि वह अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। चीन ने कहा कि वह यात्रा के जवाब में निश्चित रूप से जोरदार तरीके से अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए कदम उठाएगा। उसने कहा कि इस घटना के बाद होने वाले सारे दुष्परिणाम के लिए अमेरिका जिम्मेदार होगा। चीन ने कहा है कि ताइवान को निश्चित रूप से मुख्यभूमि से एक किया जाएगा।

ड्रोन हमले में अल जवाहिरी की मौत के बाद दुनिया पहले से अधिक सुरक्षित हुई: ब्लिंकन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि अल कायदा के सरगना अयमान अल जवाहिरी के मारे जाने के बाद दुनिया अधिक सुरक्षित हो गई है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने अल कायदा प्रमुख अल जवाहिरी अफगानिस्तान में आश्रय देकर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से किए गए वादे को तोड़ा है। इससे तालिबान पर लोगों का भरोसा टूटा है।

ब्लिंकन ने कहा हम उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेंगे जो अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए किसी भी रूप में खतरा हैं। उन्होंने ट्वीट किया हमने अफगानिस्तान से पैदा होने वाले आतंकवादी खतरों पर कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुसार कार्रवाई की है। अल कायदा के सरगना अल जवाहिरी के मारे जाने के बाद दुनिया पहले से अधिक सुरक्षित हो गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने कहा कि अल जवाहिरी को अफगानिस्तान में पनाह देकर तालिबान ने दोहा समझौते का घोर उल्लंघन किया है। इसके साथ ही उस आश्वासन के विपरीत काम किया जिसमें उसने कहा था कि वह आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान का इस्तेमाल नहीं होने देगा। लंबे समय से अल जवाहिरी की तलाश चल रही थी। सितंबर में आतंकवादी हमले के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने एफबीआई के 22 वांछित आतंकवादियों की सूची जारी की थी, जिसमें जवाहिरी का नाम अलकायदा के पूर्व सरगना ओसामा बिन लादेन के साथ काफी ऊपर था। अल जवाहिरी अफगानिस्तान के काबुल में एक मकान में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसकी आधिकारिक तौर पर घोषणा की।

पाकिस्तान ने आर्थिक मदद के लालच में अमेरिका को बताया जवाहिरी का खुफिया ठिकाना

-अफगानिस्तान के पूर्व उप-राष्ट्रपति अमरुल?ला सालेह ने किया दावा

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने आर्थिक मदद पाने के चालच में अमेरिका को अल कायदा सरगना अल जवाहिरी के खुफिया ठिकाने की मुखबिरी की है। सालेह से पहले जवाहिरी के मारे जाने में पाकिस्तान की भूमिका पर कई अन्य लोगों ने भी सवाल उठाए हैं। पूर्व अफगान उप-राष्ट्रपति सालेह ने कहा कि लादेन को भी पाकिस्तान में इसी तरह से अमेरिकी हमले में मारा गया था। जवाहिरी को पाकिस्तान के आर्मी जनरल हेडक्वार्टर से काबुल लाया गया था। उन्होंने कहा अगर शम्सी एयरबेस के लिए कोई कीमत दी गई थी तो फिर उसे जिसने मारा है, उसे सलाम है। उसके बाद उन्होंने कहा कि आपको कड़ियों को जोड़ने की जरूरत है। सालेह ने कहा कि क्या पाकिस्तान ने जवाहिरी को आईएमएफ कर्ज की कीमत के बदले अमेरिका को सौंप दिया है?

सालेह ने आशंका जताई कि इस?लामाबाद ने अच?छी-खासी डील की है और उसे इसके बदले अरबों डॉलर मिले हैं। सालेह इस समय अफगानिस्तान की पूर्व सरकार के अकेले प्रतिनिधि हैं, जो देश में ही मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि पाक ने हमेशा से ही तालिबान के साथ संबंध बरकरार रखे हैं। ऐसे में काबुल में जो कुछ भी हुआ है, उसके पीछे पाकिस्तान का हाथ है। पाकिस्तान ने तालिबान को ताकतवर बना किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि पाक आर्मी चीफ जनरल बाजवा और आईएमएम के अधिकारियों के बीच क्या बात हुई लेकिन इस पूरे घटनाक्रम की टाइमिंग चौंकाने वाली है।

सालेह ने कहा कि जवाहिरी, पाकिस्तान में देश की सुरक्षा में था। पाकिस्तान ने हमेशा से अफगानिस्तान की स्थिति का भी फायदा उठाने की कोशिश की है। इसके साथ ही पाक हमेशा से ही आर्थिक मदद के लिए अमेरिका पर निर्भर रहा है। उन्होंने दावा किया जवाहिरी को जिस मिशन के तहत ढेर किया है, उसमें तालिबान, हक्कानी, आईएसआई और अमेरिका के बीच पर्दे के बीच काफी कुछ हुआ है। पाकिस्तान ने भी इसमें काफी मदद की है, ताकि जवाहिरी को मारा जा सके। सालेह ने कहा अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन जिस तरह से तालिबान पर नरम रवैया रखते हैं, उससे भी काफी कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है।

रुचिरा कंबोज ने यूएन में भारत की पहली महिला राजदूत का कार्यभार संभाला, लड़कियों को दिया ये संदेश

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। यूएन में भारत के नए स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्यभार संभालने वाली रुचिरा कंबोज ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया।उन्होंने एक ट्वीट भी किया जिसमें उन्होंने लिखा 'यह सम्मान पाने वाली पहली भारतीय महिला होना सौभाग्य की बात है÷।मैं सभी लड़कियों से कहना चाहूंगी, हम यह कर सकते हैं।'

कौन है रुचिरा कंबोज

1987 बैच के भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी 58 वर्षीय रुचिरा कम्बोज पहले भूटान में भारत की राजदूत थी और जून में उन्हें न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी प्रतिनिधि नियुक्त किया गया था।कंबोज ने इससे पहले 2002-2005 तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर के रूप में भी काम किया था।कम्बोज 1987 सिविल सेवा बैच की अखिल भारतीय महिला टॉपर थीं।उन्होंने पेरिस से अपनी राजनयिक यात्रा शुरू की, जहां उन्हें 1989-1991 तक फ्रांस में भारतीय दूतावास में तीसरे सचिव के रूप में तैनात किया गया था।पेरिस से, वह दिल्ली लौट आईं जहाँ उन्होंने 1991-96 तक विदेश मंत्रालय के यूरोप पश्चिम प्रभाग में अवर सचिव के रूप में काम किया। 1996-1999 तक, उन्होंने मॉरीशस में प्रथम सचिव (आर्थिक और वाणिज्यिक) और पोर्ट लुइस में भारतीय उच्चायोग में चांसरी के प्रमुख के रूप में कार्य किया।काम्बोज ने जुलाई, 2017 से मार्च, 2019 तक लेसोथो साम्राज्य में समवर्ती मान्यता के साथ दक्षिण अफ्रीका में भारत के उच्चायुक्त के रूप में कार्य किया। कंबोज संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड, ब्रिटेन के स्थायी प्रतिनिधि (पीआर) राजदूत बारबरा वुडवर्ड, नॉर्वे के राजदूत और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि मोना जुल, यूएई की राजदूत लाना जकी सहित परिषद में महिला राजदूतों के समूह में शामिल हुई है।

इस बीच कम्बोज ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए सोमवार को ट्वीट करके लिखा कि 'सुरक्षा परिषद में मेरे सभी राजदूत मित्रों से मिलकर आज बहुत अच्छा लगा। इस नए पद पर अपने देश की सेवा करना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है'। तिरुमूर्ति ने उनके ट्वीट का जवाब दिया और कहा, 'बधाई और आपकी सफलता के लिए शुभकामनाएं रुचिरा! वहीं संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव और संयुक्त राष्ट्र महिला में उप कार्यकारी निदेशक लक्ष्मी पुरी, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय राजनयिकों में, काम्बोज की नियुक्ति को ऐतिहासिक और संयुक्त राष्ट्र में महिला नेतृत्व के लिए एक नया मील का पत्थर बताया।

सुविचार अगर आप सफल होना चाहते है, तो आपको सफलता के घिसे-पिटे रास्तों पर चलने की बजाएं नए रास्ते बनाने चाहिए। जॉन डी. राकेफेलर

सावन कृपाल रूहानी मिशन की ओर से अहमदाबाद में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया

सावन कृपाल रूहानी मिशन की ओर से अहमदाबाद में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे लगभग 75 से अधिक पौधों की अलग-अलग किस्म जैसे, गुलाब, एलोवेरा, मोगरा, और पीपल आदि का रोपण किया गया। सावन कृपाल रूहानी मिषन की विभिन्न शाखाओं द्वारा समय-समय पर वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है , जिसका मकसद वातावरण को प्रद्युषण से मुक्त करना तथा हम सबको ऐसा स्वच्छ वातावरण प्रदान कराना है जहां हम आसानी से सांस ले सकें। आज अगर हम अपने चारों ओर नज़र डालो तो हम पायेंगे कि हमारा वातावरण बहुत ही ज्यादा प्रदूषित है।

इसका मुख्य कारण है वाहनों और फैक्टरियों से निकलने वाला धुआं, पेट्रोल और डीजल से निकलने वाली रसायनिक गैसें आदि। इन सभी ने हमारे वातावरण को इतना प्रदूषित कर दिया है कि हमारे लिए ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पैदा हो गई है, जिसके कारण हमारा स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन खराब होता चला जा रहा है । किसी व्यक्ति को वैक्सीन की समस्या है तो किसी का पेट खराब है तो किसी को सांस लेने में दिक्कत, किसी को फेफड़ों की

परेषानी है तो किसी को लीवर की। इन सभी बिमारियों से अगर हमें कोई निजात दिला सकता है तो वो सिर्फ पेड़ है। इसीलिए कहा जाता है कि पेड़ हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं। पेड़ों के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते क्योंकि इनसे हमें सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि वे हमारे शरीर से निकलने वाली कार्बन डाईआक्साइड गैस को ग्रहण करते है और उसके बदले हमें मुफ्त में स्वच्छ आक्सीजन प्रदान करते हैं, जिससे कि हम आसानी से सांस ले सकें। इसीलिए पेड़ों को काटने की निंदा की जाती है और अधिक संख्या में पेड़ लगाने पर जोर दिया जाता है ।

परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की अपार दयामेहर से सावन कृपाल रूहानी मिशन, दिल्ली द्वारा कोरोना संकट के इस दुखद समय में महामारी से प्रभावित भाई-बहनो को प्लाज़मा, ऑक्सीजन सिलेंडर, वेंटीलेटर बैड और एंबुलेंस आदि उपलब्ध कराकर भी हर संभव मदद की गई।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज संपूर्ण विश्व में ध्यान-अभ्यास द्वारा प्रेम, एकता व शांति का संदेश प्रसारित कर रहे है, जिसके फलस्वरूप उन्हें विभिन्न देशों द्वारा अनेक शांति पुरस्कारों व सम्मानो के

साथ-साथ पाँच डॉक्टरेट की उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है । सावन कृपाल रूहानी मिशन के संपूर्ण विश्व में लगभग 3000 से अधिक केंद्र स्थापित है तथा मिशन का साहित्य विश्व की 55 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है । इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय नैपरविल्ले , अमेरिका में स्थित है।

आज के कार्टुन

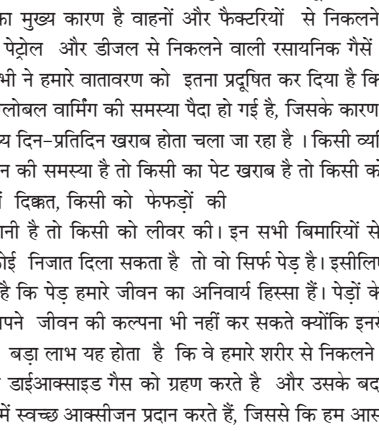

सही धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

आज के समय में लोगों ने धर्म को मजहब या संप्रदाय का पर्यायवाची मान लिया है। वे 'धर्म' शब्द सुनते ही किसी मत-पंथ या संप्रदाय से समझते हैं। यह नितांत भूल है। इसी भूल के चलते धर्म की गरिमा संदिग्ध हो गई है और मनुष्य धार्मिक कहलाने में गर्व अनुभव करने के बदले संकोच अनुभव करता है। इस भ्रम को दूर करना जरूरी है। 'धर्म' कोई संप्रदाय नहीं, कोई मत-पंथ नहीं, बल्कि वह एक ऐसी रीति-नीति है, जो मानव को महामानव बनाकर खड़ा करती है। वह धारण करने की वस्तु है, न कि रटने भर की। उसे धारण करने पर ही वह अपेक्षित अनुदान दे सकने में समर्थ होता है। केवल रटने भर के धर्म में कोई ताकत नहीं होती जो किसी को कुछ दे दे। सृष्टि निर्माण में मानवी चेतना के प्रादुर्भाव के साथ ही कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य की भावना ने सामाजिक प्राणी मानव के समक्ष धर्म का स्वरूप प्रस्तुत कर दिया। धर्म-भावना ईश्वरवादी सृष्टि से भी ऊंची है। संसार में कोई भी राष्ट्र, कोई भी प्राणी अधार्मिक होकर जी नहीं सकता। क्योंकि प्राणी मात्र के कल्याण के लिए जो कुछ भी संभव हो सकता है, वह सब धर्म की सीमाओं में रहकर ही हो सकता है। मनुष्य का धर्म यह है कि वह बाह्य व्यवहार एवं आन्तरिक वृत्तियों का परिशोधन करे, अपने मूल रूप को जीवन में व्यक्त करे। यही शुद्ध स्वरूप ज्ञान 'आत्मवत् सर्व भूतेषु' की श्रेष्ठतम भावनाओं को स्फुरित कर लोकमंगल को सहज साध्य बना सकता है। स्थूल स्तर पर हम धर्म को दो रूपों में देख सकते हैं। एक रूप वह जो देश, काल, पात्र के अनुरूप आचार संहिता प्रस्तुत करता है और आवश्यकतानुसार यथोचित परिवर्तन के साथ लोकमंगल की दिशाए सक्रिय बनाता है। धर्म का यह स्वरूप देश, काल और पात्र का सापेक्ष होता है। दूसरा स्वरूप वह है जो मूल तत्त्व है, शात है, अजर, अमर, अपरिवर्तनीय व अविनाशी है। यह मानवी आध्यात्मिक शक्तियों का उस चरम बिन्दु तक का विकास है, जहां धरती पर स्वर्ग और मनुष्य में देवत्व का अवतरण हो जाता है। अर्थात् मानव का बाह्य आचरण एवं आंतरिक विचारणा मानव मात्र के कल्याण की दिशा में उन्मुख हो जाते हैं। धर्म का यह स्वरूप सार्वभौम, सार्वकालिक एवं सर्वजनीन होता है।

मानवता के लिए बड़ी वैज्ञानिक पहल

क्षमा शर्मा

फ्रांस का सर्न फिर से एक बार चर्चा में है। सर्न माने दुनिया की सबसे बड़ी प्रयोगशाला। यह 2011 की बात है। स्विट ज़रलैंड में थी। यात्रा के दौरान दूर-दूर तक सरसों के फूलों की चादर। नीले रंगों, सफेद बादलों से भरा आसमान। चारों ओर नजर आती बर्फीली पहाड़ियां। तभी बाएं हाथ पर एक गोल घेरा-सा नजर आया। कार चलाते बेटे ने कहा- ये सर्न है। सर्न, जहां हिग्स- बोसोन या गॉड पार्टिकल की खोज के लिए वैज्ञानिक रात-दिन एक कर रहे हैं। मन हुआ कि काश, इस अद्भुत प्रयोग को देख सकती। गॉड पार्टीकल को हिग्स-बोसोन नाम, दो वैज्ञानिकों के नाम पर दिया गया -पीटर हिग्स और सत्येंद्रनाथ बोस। गॉड पार्टीकल का मतलब है कि वह इस जगत में हर एक के अंदर मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक प्रयोग में से एक है। दिलचस्प यह भी है कि इसे खोजते-खोजते वैज्ञानिकों ने वर्ल्ड वाइड वेब की खोज कर ली। वही जिसके जरिए कम्प्यूटर और इंटरनेट ने दुनिया की शक्ल बदल दी है। इनके बिना आज दैनिक जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सर्न में भारत 2017 से शामिल है। यूरोपीय देशों के अलावा अमेरिका भी। कह सकते हैं कि पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों के लिए सर्न एक पूजा स्थल की तरह है। पीटर हिग्स और सत्येंद्र नाथ बोस ने जिस गॉड पार्टीकल की कल्पना की थी और जिसे हिग्स बोसोन नाम दिया गया, उसे एलएचसी और सीएमएस के जरिए वैज्ञानिकों ने 4 जुलाई, 2012 को ढूंढ़ निकाला था। अब इस खोज के दस साल पूरे हो गए हैं। दोबारा से एलएचसी शुरू होने जा रहा है। वैज्ञानिकों को कितनी नई खोजें करने का मौका मिलेगा, बताया नहीं जा सकता। सर्न में पिछले चौंतीस साल से काम करती हैं भारत की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अर्चना शर्मा। वह झांसी की रहने वाली हैं। उनसे भारतीय दूतावास के एक कार्यक्रम में मुलाकात हुई थी। यह 2019 की बात है। उन्नीस अगस्त की सुबह उनका फोन आया कि क्या हम सर्न देखना चाहेंगे। 2011 में जहां जाने का सपना देख रही थी, वह पूरा होने को था। बच्चों की तरह उत्साहित हो उठी। फौरन हां कह दी। अगले दिन साढ़े बारह बजे के करीब वहां पहुंचना था। उत्साह इतना ज्यादा था कि समय से पहले ही जा पहुंचे। एक विशाल परिसर। चारों ओर पेड़-पौधे। युवाओं का आना-जाना। सामने नजर पड़ी तो सर्न के बड़े गोल गुम्बद पर लिखा दिखा-यूनिवर्स आफ पार्टीकल्स। यानी कि कणों या अणुओं की दुनिया। सचमुच हम सब अणुओं से ही तो बने हैं। तभी सामने से अर्चना आती दिखाई दीं। वह हमें अंदर ले गईं। हमारे लिए पास बने। वहां एक प्रदर्शनी लगी थी। उसे देखने लगे। एलएचसी का एक मॉडल भी था। बहुत से वैज्ञानिकों के जीवन के बारे में भी बताया गया था। लेकिन हमें तो आठ किलोमीटर दूर, उस प्रयोगशाला में जाना था, जिसमें दुनिया की सबसे बड़ी मशीन एलएचसी, सीएमएस लगी है। अभी सर्न की मशीन कूलिंग पीरियड में चल रही थी। इसलिए वहां कुछ लोगों को ले जाया जा सकता था। बताया गया कि 2021 के बाद जब तक मशीन काम करेगी, वहां कोई नहीं जा सकेगा। आगे-आगे अर्चना चलीं और पीछे-पीछे हम। चारों ओर फैले पहाड़, उन पर फैली हरियाली। उनके ऊपर दूर से दिखते झोंपड़ीनुमा मकान। रास्ते भर फलों से लदे पेड़। उन पर उछल-कूद मचाती बड़ी-बड़ी गिलहरियां, कौए, चिड़ियां। ऐसा लगता था जैसे हम सचमुच के दृश्य नहीं, किसी चित्रकार की बनाई पेंटिंग्स देख रहे हैं। गॉड़ियों के साथ-साथ अपनी सेहत बनाने के लिए आठ से अस्सी साल के दौड़ते लोग। यहां दौड़ने के लिए कोई वक्त नहीं। सुबह, दोपहर, शाम, जब समय होता है, तभी लोग दौड़ने लगते हैं। वहां पहुंचकर, तमाम तरह की सुरक्षा चैक के बाद हम अंदर पहुंचे। अर्चना लगातार हमारे साथ थीं। तभी एलिजाबेथ नाम की वैज्ञानिक आ पहुंचीं। उन्होंने सबसे पहले इस प्रयोग को समझाने के लिए एक फिल्म दिखाई। फिल्म के खत्म होने के बाद अर्चना ने बड़ी महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि विज्ञान ब्रह्मांड को अनंत मानता है, वेदों में तो बहुत पहले ऐसा कह दिया गया। इसके बाद हमें जगह-जगह ले जाया जा रहा था। प्रयोग के बारे में समझाया जा रहा था। इसे कितने स्तर पर किया गया है, यह भी बताया जा रहा था। अर्चना ने हमें बताया था कि एलएचसी, सीएमएस में एक सैकंड में चालीस मिलियन कण एक-दूसरे की तरफ दौड़ते हैं, मगर टकराते बहुत कम हैं। उन्होंने इसे समझाने के लिए मजेदार उदाहरण दिया कि यदि आप एफिल टॉवर (फ्रांस) से स्टेच्यू आफ लिबर्टी (अमेरिका) की तरफ कोई सुई फेंकें, तो जितना उसका वहां पहुंचने का चांस है, वही स्थिति पार्टीकल्स की एक-दूसरे से टकराने की है। यानि कि बहुत ही कम, कभी-कभार ही। उन्होंने यह भी बताया कि सीएमएस ने 1999 से काम शुरू किया था। यहां पर दुनिया की इतनी शक्तिशाली चुम्बक लगी है कि चौदह हजार टन सोने को पल भर में पिघला सकती है। ये सारी बातें सुनते हुए हम और भी बहुत से काम करते जा रहे थे। जैसे कि रेडिएशन से बचने के लिए हेलमेट पहने थे। हम दीवारों पर तरतीब से लगे उन वैज्ञानिकों के चित्रों को भी देखते जा रहे थे, जिन्होंने इस प्रयोग को सफल बनाने के लिए रात-दिन एक कर दिया। अर्चना का चित्र भी यहां था। आते वक्त वह बता रही थीं कि यहां दुनियाभर के पांच हजार से ज्यादा वैज्ञानिक काम करते हैं। खुद अर्चना के विभाग में पांच सौ वैज्ञानिक हैं। फिर हम एक लिफ्ट के पास आए। विशालकाय इस लिफ्ट से हमें पाताल में चौरासी मीटर नीचे जाना था। लिफ्ट से बाहर निकलकर तीन मंजिल सीढ़ियां और भी उतरनी पड़ीं। जब हम एलएचसी, या लार्ज हेड्रान कोलाइडर, सीएमएस के सामने पहुंचे तो उसकी विशालता देखकर दंग रह गए। इतनी बड़ी मशीन पहले कभी नहीं देखी थी। उसमें लगे लाल, पीले, नीले रंगों के लाखों तार। हर तार की कोई न कोई भूमिका, उपयोगिता। अर्चना ने बताया था कि इस मशीन को नीचे उतारने के लिए विशेष क्रेन बनाई गई थीं। इस मशीन से जो डाटा मिलता है, उसमें से निन्यानवें प्रतिशत के बारे में जानने की फुरसत अभी वैज्ञानिकों के पास नहीं है। उनके पास इतने संसाधन और समय नहीं है। वे तो बस एक प्रतिशत पर काम करते हैं। इस एक प्रतिशत की जानकारी से भी अभूतपूर्व परिणाम निकल रहे हैं। इनकी दुनिया और मानवता के लिए बड़ी उपयोगिता है। जिसमें एक है- कैंसर का सफल इलाज। जब हम लौट रहे थे, तो लगा जैसे किसी दूसरे लोक को अभी-अभी देखा हो। ऐसा मौका बहुत कम लोगों को मिलता है, वह भी जीवन में शायद एक बार। इन दिनों इसीलिए सर्न खबरों में है। कूलिंग पीरियड खत्म हो गया है। फिर से मशीन अपनी पूरी शक्ति से काम पर जुट गई है। अब यहां कोई नहीं जा सकेगा। हम सौभाग्यशाली थे कि जा सके। देखिए कि इस आश्चर्य लोक में क्या-क्या निकलता है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कभी आत्मावलोकन भी कर लिया करें ?

- निर्मल रानी

हमारे दैनिक जीवन की तमाम समस्यायें हमें प्रतिदिन हर समय प्रभावित करती हैं। और दूसरों के सिर अपनी इन परेशानियों का ठीकरा फोड़ने के आदी हम लोग आनन फ़ानन में इन रोज़मर्रा दरपेश आने वाली समस्याओं का ज़िम्मेदार सरकार या प्रशासन को ठहरा देते हैं। हम कभी भी इन समस्याओं की जड़ों में झांकने और आत्मावलोकन करने की कोशिश ही नहीं करते। उदाहरण के तौर पर बाज़ारों में प्रतिदिन हर समय लगने वाला जाम, पार्किंग की समस्या,जाम पड़े नाले व नालियां,गलियों व सड़कों पर फैली गंदिगी,जगह जगह फैले कूड़े के ढेर,दुर्गन्धपूर्ण वातावरण,रेलवे व बस स्टेशन पर फैली गंदिगी,जगह जगह व्यर्थ बहता पानी,नदी तालाबों के किनारे फैली गंदिगी व दुर्गन्ध,धुआं,वायु तथा ध्वनि प्रदूषण जैसी अनेकानेक ऐसी समस्यायें हैं जिनका सामना हमें चाहे अनचाहे रूप से लगभग प्रतिदिन ज़रूर करना पड़ता है। और हम सरकार,ज़िला प्रशासन अथवा स्थानीय निकाय प्रशासन को इनमें से अधिकांश समस्याओं का ज़िम्मेदार बताकर अपनी ज़िम्मेदारियों से मुक्त होने का प्रयास करते हैं। शहरों व क़स्बों के पुराने,मुख्य व तंग बाज़ारों में जाम की हक़ीक़त तो चौंकाने वाली है। आपको यहां अनेक दुकानदार ऐसे मिलेंगे जिन्होंने अपनी दुकान में ग्राहक के प्रवेश करने भर का रास्ता छोड़कर दुकान के सामने लगता बाहर का फुटपाथ वाला सार्वजनिक हिस्सा रेहड़ी पटरी वालों को किराये पर चढ़ाया होता है। यह वह जगह होती है जहां या तो दुकानदार या उसके ग्राहक अपना वाहन खड़ा कर सकते हैं। या फिर सड़क की यह जगह ट्रैफ़िक के सुगम संचालन के काम आती है। परन्तु तमाम दुकानदारों ने अपनी अतिरिक्त और नाजायज़ आय के लिये इसे भी अपने व्यवसाय का हिस्सा बना रखा है। चूँकि इसतरह की बाज़ारों में अनेक दुकानदार इस 'अवैध व्यवसाय' के भागीदार होते हैं इसलिये कोई एक दूसरे को मना नहीं करता। अतिक्रमण विरोधी दस्ता आते ही यह रेहड़ी पटरी वाली दुकानें कुछ समय के लिये 'चलायमान ' हो जाती हैं। और कुछ ही क्षण के बाद इसी नगर पालिका /महापालिका /निगम की विशेष 'मासिक ' या 'हफ़्तावारी' अनुकंपा की वजह से पुनः शुरू हो जाती हैं। ज़ाहिर है इसका परिणाम हमें ट्रैफ़िक जाम की शक्ल में दशकों से देखने को मिलता आ रहा है। इसी तरह की बाज़ारों में ग्राहक अपनी स्कूटर या कार अथवा ट्रांसपोर्ट की छोटी गाड़ियां मनमाने तरीक़े से अपनी सुविधानुसार ग़लत ढंग से पार्क कर देते हैं। इसलिये भी जाम की स्थिति पैदा होती है। जहां लिखा हो 'नो पार्किंग ' वहीं लोग पार्किंग कर देते हैं। उसी तरह जैसे सड़क पर खड़ा होकर पेशाब करने वाला व्यक्ति उसी जगह खड़ा मिलेगा जहां लिखा होगा कि 'यहाँ पेशाब करना मना है ' । इसी तरह हम नाली नालों के जाम हो जाने के लिये, सड़कों पर इधर उधर फैले कूड़े कबाड़ के लिये, दुर्गन्धपूर्ण वातावरण के लिये केवल सरकार या प्रशासन पर दोष मढ़ते हैं। कभी इन नाले नालियों में झांककर भी देखना चाहिये कि क्या यह मरे हुए कुत्ते बिल्ली फेंकने की जगह है ? कौन फेंकता है नालों नालियों में कांच व प्लास्टिक की बोतलें,रज़ाई,गद्दे,कंबल,प्लास्टिक व पॉलीथिन की थैलियां,ईंट पत्थर,डिस्पोज़ेबल गिलास-कप-प्लेट्स,जूते चप्पल आदि ? कौन बहाता है इनमें पालतू गाय भैसों के गोबर ? शायद सरकार या ज़िला प्रशासन अथवा किसी नगर पालिका /महापालिका /निगम के कर्मचारी तो हरगिज़ नहीं? ईमानदारी से आत्मावलोकन कीजिये जवाब स्वयं मिल जायेगा। पिछले दिनों शिमला के रिज मैदान के ऊपर फ़ौवारे पर बैठकर रिज मैदान का दृश्य देखने के लिये सीढ़ियों पर चढ़ते ही देखा कि एक कोने में किसी ने पान खाकर थूका था। वहीँ किसी ड्रिंक की बोतल भी पड़ी थी। यह पर्यटन के अंतर्राष्ट्रीय महत्व का स्थान है। यहां आपको जगह जगह डस्टबीन रखी मिलेगी। परन्तु हमारे ही समाज के लोग गंदिगी फैलाकर यहाँ भी अपने 'संस्कारों ' का परिचय देना नहीं भूले ? यह हरकत शिमला या हिमाचल प्रशासन की तो नहीं,परन्तु आत्मावलोकन किये बिना यह ज़रूर कहा जायेगा कि ' रिज पर भी थूक पड़ा है,' शिमला में सफ़ाई नहीं रहती , आदि आदि ? इसी मानसिकता के 'तत्वों' द्वारा रेलवे स्टेशन,ट्रेन के डिब्बों में,ट्रेन व स्टेशन टॉयलेट में बस स्टैंड पर,पर्यटन स्थलों पर जगह जगह बेख़ौफ़ होकर गंदिगी फैलाई जाती है। और हम अपने समाज के इन 'नौनिहालों ' को दोष देने के बजाय सीधे सरकार व प्रशासन को ही कटघरे में खड़ा कर देते हैं। वायु प्रदूषण का दुष्प्रभाव हमारे आपके स्वास्थ्य से लेकर ग्लोबल वार्मिंग तक पर सीधा पड़ता है। परन्तु अनेकानेक लोग शायद इस बात से अनभिज्ञ हैं या जान बूझकर घने शहरी इलाक़ों में कभी रबड़ जलाने लगते हैं तो कभी थर्मोकोल,प्लास्टिक आदि बे रोकटोक जलाकर ज़हरीला धुंआ फैलाते हैं। कबाड़ के काम से जुड़े कुछ लोग तो तांबे लोहे की तार निकालने के लिये प्रतिदिन रबड़ के तार जलाते ही रहते हैं। अनेक गाय भैसों की डेयरियों में मच्छर भगाने के नाम पर रोज़ाना धुंआ किया जाता है। इससे मच्छर भागे या न भागे परन्तु आसपास के लोगों का दम ज़रूर घुटने लगता है। सरकार तो हरगिज़ यह नहीं कहती कि वातावरण में ज़हरीला धुआं फैलाकर कर मच्छर भगाइये? हमारे समाज में ही इस तरह की अनेक 'व्याधियां ' हैं जो हमारे लिये ट्रैफ़िक जाम,जलभराव,गंदिगी,बीमारी,प्रदूषण यहाँ तक कि बदनामी का भी कारण बनती हैं। निश्चित रूप से इनमें कई विषय ऐसे भी हैं जिनका संबंध सरकारी भ्रष्टाचार,लापरवाही,अनदेखी और लेट लतीफ़ी से भी है। परन्तु केवल सरकार या प्रशासन अकेला इन विसंगतियों के लिये हरगिज़ ज़िम्मेदार नहीं। बेहतर होगा कि हम और आप सरकार या अन्य विभागों को उपरोक्त समस्याओं का ज़िम्मेदार ठहराने से पहले कभी आत्मावलोकन भी कर लिया करें ?कभी आत्मावलोकन भी कर लिया करें ?

सू-दोकू नवताल -2180

					4	6	3	
	1				6			
	2	8						
	8	3	5					1
2					9	7	4	
						4	5	
			2				1	
	5	7	8					

सू-दोकू -2179 का हल

3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2180

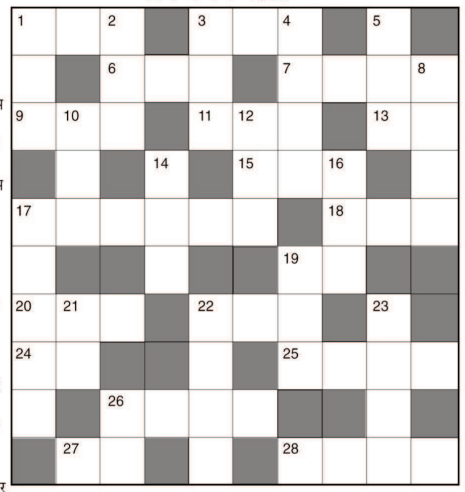

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, संजीव कुमार की 'गापुची गापुची गम गम' गीतवाली फिल्म-3
3. 'दिल मेरा कहता है क्या' गीत वाली सुनील शेट्टी, हरीश, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3
6. तुषार, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
7. 'नीले गगन के तले सागर का प्यार पले' गीत वाली फिल्म-4
9. राजेंद्र कुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-3
11. अशोक कुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको इतना बता' गीत वाली फिल्म-3
13. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम-2
15. कुमार गौरव, शरनाज पटेल की 'जिंदगी कब तुम को देखा है' गीतवाली फिल्म-3
17. 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा' गीत वाली शम्मी कपूर की फिल्म-3,3
18. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित 1974 की एक फिल्म-3
19. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
20. गोविंदा, रवीना टंडन की फिल्म-3
22. 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली राजेश खन्ना की फिल्म-3
24. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली एक फिल्म-2
25. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-4
26. विनोद मेहरा की 'तेरे नैनों के मैं दीप जलाऊंगा' गीत वाली फिल्म-4
27. फिल्म 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम-2
28. बलराज साहनी, लीला नायडू की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना आए' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है दोस्तों' गीत वाली सुनील दत्त, साधना की फिल्म-3
4. अभी गीफा अवॉर्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला है-4
5. ओम पुरी, रघुवीर यादव, शबाना आजमी, माधुरी दीक्षित की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-3
8. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की 1992 की एक फिल्म-4
10. जिमी शेरगिल, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता शिरोडकर, ऋषिता की फिल्म-3
12. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनील दत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
14. मिथुन चक्रवर्ती, सारिका की 'साथी हैं हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-3
16. 'दिल लूटने वाले जादूगर अब मैंने' गीत वाली रंजन, चित्रा, जयश्री गड्कर की फिल्म-3
17. मिथुन चक्रवर्ती, चंकी पांडे, ऋतुपर्णा, सोमी अली की 'जब मैंने तेरा नाम लिया' गीत वाली फिल्म-3,2
19. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन-3
21. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-2
22. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-4
23. विनोद खन्ना, आमिर की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-4
26. जितेन निर्देशित मिथुन, राखी, नीता मेहता की 1986 की एक फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2179

अ	न	क	ही		फ	की	श		सु	
नु		ह्म		हि	ना		ज	ह	र	
रे	श	नी		म्म		मे		स्ती		
ध		कि	स्म	त		रे	ख		गो	
	जि	स्म		वा	रि	स		गै		
उ		त	र	ला		न	फ	र	त	
पा	ल	की			क	म	र		ह	
स			नौ	क	रे		ह्मा	सि	ल	
ना	ग	ज		स	ब	क			का	
	खी		श	क		ज		डी		

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लज़ीज व्यंज़न और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्रैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्जरी नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूर्तियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

ब्रिटिश टकसाल ने बनाई भगवान गणेश की आकृति वाली सोने की छड़

लंदन । ब्रिटेन की सरकारी टकसाल ने गणेश चतुर्थी के पहले भगवान गणेश की आकृति वाली 24 कैरट सोने की एक छड़ जारी की है। यह भारतीय पृष्ठभूमि से प्रेरित होकर जारी होने वाली सोने की छड़ों की कड़ी में एक नई पेशकश है। ब्रिटिश सरकार के स्वामित्व वाली टकसाल रॉयल मिंट ने 999.9 शुद्धता वाले 20 ग्राम सोने की यह छड़ ऑनलाइन बिक्री के लिए जारी की है। इसकी कीमत 1,110।80 पाउंड रखी गई है। इस पर भगवान गणेश के साथ उनके पसंदीदा पकवान मोदक से भरी थाली भी दर्शाई गई है। यह छड़ पिछले साल दिवाली के मौके पर रॉयल मिंट की तरफ से जारी 24 कैरट सोने की मां लक्ष्मी की आकृति वाली सोने की छड़ जैसी ही है। इन दोनों ही छड़ों का डिजाइन एमा नोबल ने बनाया है। रॉयल मिंट ने एक बयान में कहा` कि शुभारंभ एवं बुद्धि के देवता कहे जाने वाले भगवान गणेश पहली बार रॉयल मिंट से जारी सोने की छड़ पर नजर आएंगे। सोने की यह छड़ भगवान गणेश की पूजा के लिए समर्पित पर्व गणेश चतुर्थी के कुछ समय पहले जारी की गई है। रॉयल मिंट की वेबसाइट से विशिष्ट क्रमांक वाली इन छड़ों को ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। ब्रिटेन में रॉयल मिंट को सोने-चांदी के सिक्कों का सबसे बड़ा उत्पादक माना जाता है। यह सोने एवं चांदी की छड़ों एवं सिक्कों की बिक्री करने के अलावा डिजिटल निवेश के विकल्प भी मुहैया कराता है।

एमजीएल ने सीएनजी और पीएनजी की कीमत बढ़ाई

मुंबई । शहर के गैस वितरक महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी की कीमत में छह रुति प्रे ति` किलो की बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की कीमत चार रुपए प्रति यूनिट बढ़ाने की घोषणा की गई है। कीमतों में एक महीने में यह दूसरी बढ़ोतरी है। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर प्राकृतिक गैस की बढ़ती कीमतों के बीच कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। पिछले कई हफ्तों से बढ़ती कीमतों के चलते आपूर्तिकर्ता और वितरक औद्योगिक आपूर्ति में कटौती करने को मजबूर हो गए थे। इस साल अप्रैल के बाद से कीमतों में यह छठी बढ़ोतरी है। एमजीएल ने कहा कि गैस लागत में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण हमने लागत की भरपाई करने का फैसला किया है। इसलिए हमने सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) की खुदरा कीमत 86 रुपए (प्रति किलोग्राम) और घरेलू पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की कीमत 52.50 रुपए (प्रति यूनिट) तक बढ़ा दी है।

डीबीएस बैंक इंडिया को वर्ष 167 करोड़ का मुनाफा

मुंबई । सिंगापुर बैंक डीबीएस की अनुषंगी डीबीएस बैंक इंडिया ने वित्त वर्ष 2021-22 में 167 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। बैंक ने कहा कि इसके एक साल पहले उसने 312 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। हालांकि उसने दोनों वित्त वर्षों के आंकड़ों को तुलना के लायक न मानते हुए कहा कि लक्ष्मी विलास बैंक के अधिग्रहण के बाद 2021-22 उसके परिचालन का पहला पूर्ण वर्ष रहा। लक्ष्मी विलास बैंक का नवंबर 2020 में अधिग्रहण करने वाले डीबीएस बैंक का समाप्त वित्त वर्ष में शुद्ध राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 2,892 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि इस दौरान उसकी आमदनी 52 प्रतिशत घटकर 284 करोड़ रुपए पर आ गई। उसने ब्याज दरों में बढ़ोतरी की वजह से बाजार में अवसर कम होने को इसके लिए जिम्मेदार बताया।परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक ने मार्च 2022 के अंत में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात 9.5 प्रतिशत रहने की जानकारी देते हुए कहा कि मार्च 2021 में यह 12.93 प्रतिशत पर था।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में खरीददारी बढ़ने से बाजार में यह तेजी आई है। इसके साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों के लगातार पूंजी प्रवाह से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 214.17 अंक करीब 0.37 फीसदी की बढ़त के साथ ही 58,350.53 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 42.70 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी उछाल के साथ ही 17,388.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, टीसीएस, इन्फोसिस, टाइटन, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर मुख्य रुप से लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर मारुति सुजुकी, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरे हैं। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट गिरा है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी बनी रही जबकि अमेरिकी बाजार नुकसान में रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल क्रूड 0.91 फीसदी की गिरावट के साथ ही 99.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच ।

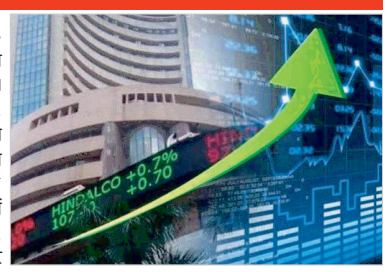

किआ एसयूवी सेल्टॉस में छह एयरबैग देगी

नई दिल्ली । किआ इंडिया ने कहा कि अपने मध्यम आकार की एसयूवी सेल्टॉस में वह छह एयरबैग की पेशकश मानक फिटमेंट के तौर पर करेगी। कंपनी ने कहा कि मॉडल के सभी संस्करणों में छह एयरबैग देने का फैसला सुरक्षा पर और अधिक ध्यान देने के लिहाज से लिया गया है। किआ के कारेन्स मॉडल में छह एयरबैग पहले से दिए जा रहे हैं। किआ इंडिया के उपाध्यक्ष और बिक्री एवं विपणन के प्रमुख हरदीप सिंह बरार ने कहा` कि हमारा प्रयास अपने उत्पादों को नियमित अंतराल पर बेहतर बनाने का रहता है। उन्होंने कहा कि किआ के लिए भारत वैश्विक स्तर पर एक अहम बाजार है और सेल्टॉस एक महत्वपूर्ण उत्पाद है। देश में कंपनी की कुल बिक्री में सेल्टॉस की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। सरकार ने लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर एक अक्टूबर से आठ सीट वाले वाहनों में छह एयरबैग को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव दिया है।

इस साल बाजार में फैंसी और डिजाइनर राखियों की मांग ज्यादा

- बाजारों में राखियों की कीमत 15 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक

नई दिल्ली ।

कोरोना काल के दो साल बाद इस बार लोगों में रक्षाबंधन को लेकर जबरदस्त उत्साह है। इस समय दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई हिस्सों में आकर्षक राखियों की मांग सबसे ज्यादा है। खासकर दिल्ली और कोलकाता की बनी राखियों की डिमांड पूरे देश में हो रही है। इसके अलावा स्टोन, जरकन और मेटल की राखी, कलावा के साथ रुद्राक्ष, कई तरह की फैंसी राखी, भगवानों में गणेश और लक्ष्मी जी की राखी की मांग ज्यादा है। ये राखियां बाजार में 15-20 रुपए से लेकर 200-3000 रुपए तक उपलब्ध है। दिल्ली-एनसीआर के छोटे से लेकर बड़े-बड़े मॉल में राखियों के स्टॉल लग गए हैं। यहां आकर्षक डिजाइनों में तरह तरह की राखियां ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बन रही हैं, हालांकि महंगाई का असर रक्षाबंधन त्योहार पर भी साफ दिखाई दे रहा है। राखियों के दाम में पिछले साल की तुलना में इस बार 20 प्रतिशत तक तेजी आई है।बता दें कि इस बार तिलक लगाने के लिए स्पेशल थाली, स्टाइलिश राखियां, ब्रेसलेट, मोतियों के अलावा चांदी की राखियों के दाम में काफी उछाल आया है। बाजार में इस बार बच्चों के लिए लाइट वाली राखियां, कार्टून वाली राखियां और खिलौने वाली राखियों के दाम बढ़ गए हैं। हालंकि, बाजारों में इस समय बच्चों के लिए छोटा भीम, एंग्री बर्ड, डोरेमान, लाइट वाली राखियां भी मिल रही हैं। बाजारों में राखियों की कीमत 15 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक है। दुकानदार राखियों को आकर्षक पैकिंग कर ग्राहकों को बेच जरूर रहे हैं, लेकिन सामान की क्वलिटी को लेकर दुकानदार से सवाल पूछ रहे हैं।

नई ऑल्टो 18 अगस्त को की जाएगी लॉन्च

-नई ग्रैंड विटारा सितंबर 2022 में सेल के लिए होगी उपलब्ध

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी अपनी नई ऑल्टो को 18 अगस्त को लॉन्च करेगी। वहीं नई ग्रैंड विटारा सितंबर 2022 में सेल के लिए उपलब्ध होगी। एमएसआईएल एक बिल्कुल नई वायटीबी एसयूवी कूपे और जिम्नी लाइफस्टाइल एसयूवी सहित दो बिलकुल नई कॉम्पैक्ट एसयूवीएस तैयार कर रही है। स्विफ्ट हैचबैक को भी 2023 में न्यू जेनेरेशन मॉडल के तौर पर लॉन्च किया जाएगा। वास्तव में, सुजुकी ने विदेशों में नेक्सट जन स्वीफट की टेस्टिंग भी चालू कर दी है। जनवरी 2023 में ऑटो एक्सपो में भारत में इस हैचबैक की पहली झलक देखने को मिल सकती है।अगली पीढ़ी की सुजुकी स्विफ्ट को हरटैक्ट प्लेटफॉर्म के अपडेटेड मॉडल पर तैयार किया जाएगा। माना जा रहा है कि नया मॉडल कई प्रीमियम फीचर्स से लैस होगा। खबर है कि नई स्विफ्ट माइल्ड हाइब्रिड तकनीक के साथ आएगी। यह हैचबैक 1,2-लीटर के12एन डुअल जेट पेट्रोल इंजन के साथ आ सकती है जो 89बीएचपी पावर और 113 एनएम टॉर्क जेनेरेट करने के लिए अच्छा है। स्पोर्ट मॉडल नए 1.4एल बूस्टरजेट पेट्रोल इंजन के साथ आएगा। एमएसआईएल 2023 में देश में लॉन्ग-व्हीलबेस 5-डोर जिम्नी लाइफस्टाइल एसयूवी लॉन्च करेगी। नया सुजुकी जिम्नी एलडब्ल्यबी वर्जन 3-डोर सिएरा लाइफस्टाइल एसयूवी पर आधारित है, जो सिलेक्टेड इंटरनेशनल मार्केट्स में सेल के लिए है। एसयूवी का व्हीलबेस 300एमएम लंबा होगा और लंबाई 300एमएम तक बढ़ाई जाएगी।इस कार में मैनुअल और एएमटी दोनों गियरबॉक्स ऑफर किए जा सकते हैं। भारतीय बाजार के लिए तैयार किए जाने वाले मॉडल को सीएनजी के साथ भी बाजार में उतारा जा सकता है।

देश का निर्यात जुलाई में घटकर 35.24 अरब डॉलर

- पिछले 17 महीनों के दौरान पहली बार निर्यात में गिरावट आई

नई दिल्ली ।

देश का निर्यात जुलाई में 0.76 प्रतिशत की मामूली घटकर 35.24 अरब डॉलर रहा। पिछले 17 महीनों के दौरान पहली बार निर्यात में गिरावट आई है। वहीं कच्चे तेल के आयात में वृद्धि के कारण इस दौरान व्यापार घाटा तीन गुना होकर 31.02 अरब डॉलर हो गया। जुलाई 2022 में निर्यात सालाना आधार पर 0.76 प्रतिशत घटकर 35.24 अरब डॉलर रह गया। जुलाई 2021 में देश का वस्तु निर्यात 35.51 अरब डॉलर था। इससे पहले फरवरी 2021 के दौरान निर्यात में 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2022 में देश का आयात 43.59 प्रतिशत बढ़कर 66.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया। एक साल पहले के इसी महीने में यह 46.15 अरब डॉलर था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का निर्यात सालाना आधार पर 19.35 प्रतिशत बढ़कर 156.41 अरब डॉलर हो गया, जो बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में 131.06 अरब डॉलर था। इसके अलावा वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में आयात भी सालाना आधार पर 48.12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 256.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस साल जुलाई के दौरान कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात 70.4 प्रतिशत बढ़कर 21.13 अरब डॉलर रहा, जो जुलाई 2021 में 12.4 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार पिछले माह सोने का आयात लगभग आधा घटकर 2.37 अरब डॉलर रह गया। एक साल पहले के इसी महीने में यह 4.2 अरब डॉलर था। निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारण इस साल जुलाई में व्यापार घाटा तीन गुना होकर 31.02 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 10.63 अरब डॉलर था। वहीं चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी व्यापार घाटा बढ़कर 100.01 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य सचिव बीवी आर सुब्रह्मण्यम ने व्यापार आंकड़ों का ब्योरा देते हुए कहा कि वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में 156.41 अरब डॉलर का निर्यात हुआ है। इससे पता चलता है कि हम चालू वित्त वर्ष में 470 अरब डॉलर के निर्यात का आंकड़ा आसानी से हासिल करने की राह पर हैं।

आजादी के 75वें वर्ष में भारत में 75,000 स्टार्टअप: गोयल

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत में आजादी के 75वें वर्ष में 75,000 स्टार्टअप हैं। गोयल ने ट्वीट किया कि ये आंकड़े दृष्टिकोण की ताकत को दिखाते हैं। ऐसा दृष्टिकोण कि वृद्धि को गति नवाचार और उद्यम देंगे। भारत में आजादी के 75वें वर्ष में 75,000 स्टार्टअप हैं और यह तो महज शुरुआत है। गोयल ने हाल में कहा था कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्टार्टअप पारिस्थितिकी बनना चाहता है।

स्पाइसजेट अपनी हिस्सेदारी बेचने निवेशकों से कर रही बातचीत

मुंबई ।

सुरक्षा से जुड़े मामलों के बीच दबाव झेल रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट अपनी स्थिति और बेहतर करने की कोशिश कर रही है। कंपनी फिलहाल हिस्सा बिक्री की योजना पर काम कर रही है। एयरलाइंस ने कहा कि फिलहाल कई निवेशकों के साथ बातचीत जारी है और समय पर इन जानकारियों का खुलासा किया जाएगा। कंपनी फिलहाल डीजीसीए के लगाए गए प्रतिबंधों के साथ परिचालन कर रही है लेकिन इसी बीच बैलेंस शीट को भी बेहतर बना रही है। हाल ही में स्पाइसजेट ने एएआई का सारा बकाया चुका दिया है। एयरलाइन को लगातार घाटा हो रहा है। इससे निपटने के लिए एयरलाइन ने हिस्सा बिक्री के जरिए रकम जुटाने की योजना बनाई है। मीडिया में आई रिपोर्ट के मुताबिक एयरलाइंस मध्य पूर्व की एक एयरलाइंस के साथ साथ घरेलू कंपनियों के साथ भी बात कर रही है।

खबरों के मुताबिक एयरलाइन एक मध्यपूर्व की एयरलाइन के साथ बात कर रही है वहीं भारत के कुछ कारोबारी समूहों के साथ भी बात चल रही है। फिलहाल एयरलाइन किसी बातचीत से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी है हालांकि माना है कि चर्चा चल रही है। प्रमोटर अजय सिंह के पास फिलहाल एयरलाइन में 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। एयरलाइंस फिलहाल कई तरह की मुश्किलों से गुजर रही है। सुरक्षा संबंधी चिंताओं की वजह से एयरलाइन फिलहाल आधी उड़ानों का परिचालन ही कर पा रही है। वहीं तकनीकी समस्या के बाद एयरलाइन को अभी मार्च तिमाही के नतीजे भी जारी करने है। एयरलाइन पिछले काफी समय से घाटा दर्ज कर रही है।

सरकार ने ईंधन पर अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती की

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में नरमी को देखते हुए डीजल और एटीएफ (विमान ईंधन) पर अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती की है। हालांकि घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर शुल्क बढ़ा दिया है। एक आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक, डीजल के निर्यात पर कर जहां 11 रुपए से घटाकर पांच रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है, वहीं एटीएफ पर इसे खत्म करने का फैसला लिया गया है। इसी तरह, पेट्रोल के निर्यात पर शून्य कर जारी रहेगा। अधिसूचना के अनुसार घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर कर 17,000 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 17,750 रुपए प्रति टन कर दिया गया है। यह कदम ओएनजीसी और वेदांता लिमिटेड जैसे उत्पादकों को प्रभावित कर सकता है। भारत ने पहली बार एक जुलाई को अप्रत्याशित कर लाभ लगाया था। इसी के साथ वह उन देशों में शामिल हो गया था, जो ऊर्जा कंपनियों के मुनाफे पर कर लगाते हैं। हालांकि, तब से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट आने लगी है, जिससे तेल उत्पादकों और रिफाइनरी, दोनों के मुनाफे में कमी दर्ज की गई है। सरकार ने एक जुलाई को पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर छह रुपए प्रति लीटर तथा डीजल के निर्यात पर 13 रुपए प्रति लीटर की दर से कर लगा दिया था। इसके अलावा कच्चे तेल के घरेलू स्तर पर उत्पादन पर 23,250 रुपए प्रति टन की दर से कर लगाया गया था।

जोमैटो में अपनी हिस्सेदारी 2,939 करोड़ में बेचेगी उबर

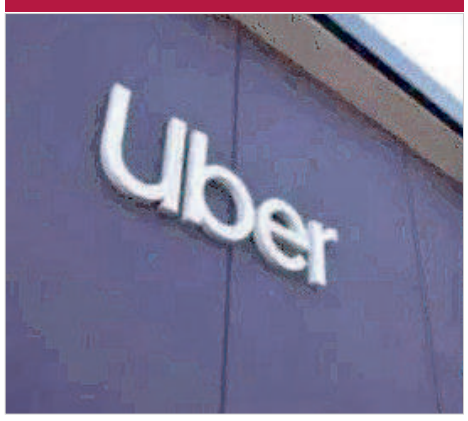

मुंबई।

ऑनलाइन कैब सेवा कंपनी उबर फूड डिलीवरी करने वाले ऑनलाइन मंच जोमैटो में अपनी समूची हिस्सेदारी 2,939 करोड़ रुपए में बेच सकती है। मर्चेंट बैंकिंग से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि बुधवार को संपन्न होने वाले इस बिक्री करार के लिए 48-54 रुपए प्रति शेयर के भाव की पेशकश की जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस कीमत के निचले स्तर पर अगर हिस्सेदारी बिक्री होती है तो इस सौदे से जुटाई जाने वाली कुल राशि 2,939 करोड़ रुपये (37.3 करोड़ डॉलर) हो सकती है। बोफा सिक्योरिटीज इस समझौते को संपन्न कराने की प्रक्रिया में शामिल है।हालांकि उबर इंडिया के प्रवक्ता ने इस मामले पर फिलहाल कोई भी टिपण्णी देने से इनकार कर दिया है। उबर को वर्ष 2020 में अपने खाद्य कारोबार उबर ईट्स की हिस्सेदारी जोमैटो को सौंपने पर यह हिस्सेदारी मिली थी। बाद में जोमैटो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई लेकिन उसका प्रदर्शन डांवाडोल ही रहा है।

जौमेटो का नाम सहित कई चीजों में बदलाव करने की तैयारी में, कंपनी के सीईओ ने किया इशारा

मुंबई ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो का घाटा 2022 की पहली तिमाही में कम हुआ है। अब कंपनी अपने नेतृत्व के स्ट्रक्चर सहित कई चीजों में बदलाव करने के प्लान पर काम कर रही है। खबर है कि जल्द की जोमैटो का मैनजमेंट एक पैरेंट कंपनी बना सकता है। हाल ही में जोमैटो ने ब्लिंकिट के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। कंपनी अपने हर बिजनेस को चलाने के लिए अलग-अलग सीईओ रखने की योजना बना रही है। फिलहाल जोमैटो के पास कुल चार ब्रांड मौजूद हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जोमैटो के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने कहा है कि वहां एक ऐसी कंपनी बनाने के प्लान पर काम कर रहे है, जहां हर बिजनेस को चलाने के लिए कई सीईओ हो और सभी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करे। गोयल पैरेंट कंपनी को री-ब्रांड करते हुए उसका नाम %इटरनल रख सकते हैं। हालांकि, आधिकारिक रूप से कंपनी की ओर से इस लेकर किसी भी तरह का बयान अभी तक जारी नहीं किया गया है। जोमैटो, ब्लिंकिट, हाइपरप्योर, फीडिंग इंडिया फिलहाल कंपनी के पास ये चार ब्रांड हैं। जोमैटो के संस्थापक और सीईओ गोयल इन सभी कंपनियों को एक पैरैंट कंपनी के तहत लाकर ऑपरेट करना चाहते हैं। स्टार्टअप के सीईओ ने बताया कि 'इटरनल' अभी के लिए एक इंटरनल नाम रहेगा। जोमैटो का नाम नहीं बदलेगा। कंपनी ने नाम का इस्तेमाल अपन कंपनी के दफ्तरों के भीतर करना शुरू कर दिया है। जल्द ही ये सभी के सामने आ जाएगा।

टी20 विश्व कप से पहले बेहतर गेंदबाज तैयार करने में लगे म्हाम्ब्रे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा है कि उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम के लिए अधिक से अधिक गेंदबाज तैयार करना है। म्हाम्ब्रे की इसी रणनीति के तहत आजकल युवा गेंदबाजों को अवसर मिल रहे हैं। इसका लक्ष्य भविष्य के लिए बेहतर टीम बनाना है। कोच के अनुसार विश्व कप के शुरु होने तक टीम के पास कई अच्छे गेंदबाज होंगे। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'अभी हम विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं और युवाओं को अवसर दे रहे हैं जिससे यह पता लगा सकें कि हमारे लिए कौन उपयोगी है। इस तरह से योजना बनाना आसान होता है।' म्हाम्ब्रे ने आवेश खान और अर्शदीप सिंह सहित टीम के युवा तेज गेंदबाजों और अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'इन गेंदबाजों ने जो क्षमता दिखाई उससे हमारा उत्साह बढ़ा है। अब तक के मैचों में अर्शदीप और आवेश ने दबाव की परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने की अपनी काबिलियत दिखाई जिससे मैं बहुत खुश हूं।' म्हाम्ब्रे ने कहा, 'वे हर दिन कितना सीखना चाहते हैं और अपने खेल में सुधार करना चाहते हैं इससे मैं काफी प्रभावित हूं।' म्हाम्ब्रे ने अर्शदीप की जमकर प्रशंसा की जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया था।

राष्ट्रमंडल खेल : भारतीय पुरूष टेबल टेनिस टीम ने सिंगापुर को हराकर स्वर्ण बरकरार रखा

बर्मिंघम ।

हरमीत देसाई ने निर्णायक एकल मुकाबले में अपनी लय कायम रखते हुए जीत दर्ज की और भारतीय पुरूष टेबल टेनिस टीम ने मंगलवार को करीबी मुकाबले में सिंगापुर को हराकर राष्ट्रमंडल खेलों में अपना स्वर्ण बरकरार रखा। दुनिया के 121वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने तीसरे एकल में 133वीं रैंकिंग वाले झे यू क्लारेंस चीयू को 11.8, 11.5, 11.6 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पुरूषों की टीम स्पर्धा में भारत का यह तीसरा स्वर्ण पदक है। मैनचेस्टर में 2002 में हुए खेलों में टेबल टेनिस को शामिल किए जाने के बाद भारत का यह सातवां पदक है। हरमीत और जी साथियान की जोड़ी ने योन इजाक क्रेक और यू इन कोएन पांग की जोड़ी को 13-11, 11-7, 11-5 से शिकस्त देकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। लेकिन दिग्गज शरत कमल अपनी लय को जारी नहीं रख सके। सेमीफाइनल में नाइजीरिया के विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी अरूणा कादरी को हराने वाले शरत पुरुष एकल के पहले मैच में झे यू क्लारेंस चीयू हार गए। सिंगापुर के खिलाड़ी ने उन्हें 11-7 , 12-14, 11-3, 11-9 से हराया। विश्व रैंकिंग में 35 वें स्थान पर काबिज जी साथियान ने इसके बाद पांग को 12-10, 7-11, 11-7, 11-4 से हराकर मुकाबले में भारत की वापसी कराई। हरमीत ने इसके बाद तीसरे एकल मुकाबले में चीयू को हराया। शरत का यह राष्ट्रमंडल खेलों में दसवां पदक है। वह एकल और युगल मुकाबले भी खेल रहे हैं। शरत ने कहा,

'हरमीत की सर्विस ने सारा अंतर पैदा किया। मैं पूरे मैच में सहज महसूस नहीं कर रहा था लेकिन हरमीत ने शानदार प्रदर्शन किया।% हरमीत ने कहा, 'मैं पूरे समय अपनी सर्विस बदलते रहने पर फोकस कर रहा था। यह मेरे कैरियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है।%

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स : भारत की रिले टीम ने एशियाई जूनियर रिकॉर्ड से जीता सिल्वर मेडल

कैली (कोलंबिया) :

भारत की मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने यहां विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के फाइनल में अपना ही एशियाई रिकॉर्ड बेहतर करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। भरत श्रीधर, प्रिया मोहन, कपिल और रूपल चौधरी की भारतीय चौकड़ी ने मंगलवार की रात तीन मिनट 17.67 सेकेंड के समय से अमेरिका (तीन मिनट 17.69 सेकेंड) के पीछे दूसरा स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने हालांकि हीट के दौरान एक दिन पहले बने तीन मिनट 19.62 के एशियाई रिकॉर्ड को बेहतर किया। उनका यह नया रिकॉर्ड जूनियर वर्ग में स्पर्धा के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है।

टीम तीन हीट में अमेरिका के बाद कुल दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची थी। साथ ही विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में यह भारत का लगातार दूसरा पदक है। टीम ने 2021 में पिछले नैरोबी चरण में कांस्य पदक जीता था जिसमें यह स्पर्धा पहली बार शुरू की गई थी। पिछली बार पदक जीतने वाली टीम में रूपल को छोड़कर तीनों अन्य खिलाड़ी शामिल थे। यह प्रदर्शन काफी प्रभावित करने वाला है क्योंकि वीजा मुद्दों के कारण ज्यादातर खिलाड़ी प्रतियोगिता शुरू होने से महज एक दिन पहले ही यहां पहुंचे थे। जमैका ने तीन मिनट 19.98 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता।

राष्ट्रमंडल खेल : भारतीय महिला टीम ने रचा इतिहास, लॉन बॉल में जीता गोल्ड मेडल

स्पोर्ट्स डेस्क :

भारतीय महिला टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल प्रतियोगिता में दक्षिण अफ्रीका को 17-10 से हराकर गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया। यह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में लॉन बॉल में भारत का पहला पदक है जबकि देश बर्मिंघम में चौथा गोल्ड जीत चुका है। भारत ने इससे पहले इस प्रतियोगिता में एक भी पदक नहीं जीता था। तीन एंड की समाप्ति के बाद दक्षिण अफ्रीका 2-1 से आगे चल रही थी, लेकिन भारत ने चौथे एंड की समाप्ति पर 2-2 की बराबरी कर ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। हर एंड के साथ भारत अपनी बढ़त में इजाफा करता गया। सात एंड के बाद भारत ने 8-2 की बढ़त बना ली थी। दक्षिण अफ्रीका ने इसके बाद वापसी करते हुए अगले चार राउंड में आठ पॉइंट लिये और 11वें एंड में दक्षिण अफ्रीका ने भारत पर 10-8 की बढ़त बना ली। इससे पहले कि मैच हाथ से निकलता, भारतीय महिलाओं ने 12वें, 13वें और 14वें एंड में 7 पॉइंट की विशाल छलांग लगाते हुए दक्षिण अफ्रीका को 15-10 से पीछे छोड़ दिया। 15वें और आखिरी एंड में दक्षिण अफ्रीका को जीतने के लिए छह पॉइंट हासिल करने थे लेकिन ऐसा हो न सका और भारत ने अपने स्कोर में दो पॉइंट और जोड़ते हुए मैच 17-10 पर समाप्त किया।

एशिया कप कार्यक्रम जारी, 28 अगस्त को आमने सामने होंगे भारत और पाक

मुम्बई ।

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने इसी माह शुरु होने वाले एशिया कप क्रिकेट मुकाबले का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें परंपरागत विरोध भारत और पाकिस्तान के बीच 28 अगस्त को दुबई में मुकाबला होगा। इस टूर्नामेंट की शुरुआत श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच 27 अगस्त को होने वाले मैच से होगी। यह टूर्नामेंट पहले श्रीलंका में होना था पर वहां आर्थिक बदहाली के हालातों को देखते हुए श्रीलंकाई बोर्ड ने इस टूर्नामेंट के आयोजन में असमर्थता जतायी थी। इस टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें भाग लेंगी और इसका फाइनल मुकाबला 11 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने दुबई में 27 अगस्त से 11 सितंबर तक टी20 प्रारुप में खेले जाने वाले टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को क्वालिफायर टीम के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। वहीं श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीमें ग्रुप बी में हैं। यूएई, कुवैत, हांगकांग और सिंगापुर में से कोई एक टीम भारत और पाकिस्तान के ग्रुप ए में आयेगी। अबतक भारत और पाक की टीमें के बीच इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 14 बार मुकाबला हुआ है। इसमें भारत ने 8 में जीत हासिल की है जबकि पाक टीम छह मैचों में जीती है। इसमें ग्रुप ए और बी में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सुपर 4 राउंड के लिए क्वालिफाई करेंगी। ऐसे में भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच 4 अगस्त को मुकाबला हो सकता है। वहीं सुपर 4 में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों के बीच 11 अगस्त को फाइनल खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रमंडल खेल : भारोत्तोलक विकास ठाकुर को पुरुष 96 किग्रा वर्ग में जीता सिल्वर

बर्मिंघम । भारत के हैवीवेट भारोत्तोलक विकास ठाकुर ने मंगलवार को यहां 96 किग्रा वर्ग में रजत पदक के साथ राष्ट्रमंडल खेलों का एक और पदक अपने नाम किया। अनुभवी ठाकुर ने कुल 346 किग्रा (155 किग्रा और 191 किग्रा) वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया और इस दौरान अपने लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीता। ठाकुर का राष्ट्रमंडल खेलों में यह दूसरा रजत पदक है। वह 2014 ग्लास्गो खेलों में भी दूसरे स्थान पर रहे थे जबकि गोल्ड कोस्ट में 2018 में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। समोआ के डॉन ओपेलोगे ने कुल 381 किग्रा (171 किग्रा और 210 किग्रा) वजन उठाकर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता और अपने 2018 के प्रदर्शन के सुधार किया जहां उन्होंने रजत पदक जीता था। ठाकुर ने पदक जीतने के बाद कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों का अपना तीसरा पदक जीतकर मैं बेहद खुश हूं। आज मेरी मां (आशा देवी ठाकुर) का जन्मदिन भी है। मैं इस पदक को उन्हें समर्पित करना चाहता हूं।' समोआ के 'डॉन' और ठाकुर के बीच 35 किग्रा का बड़ा अंतर रहा लेकिन भारत के 28 वर्षीय भारोत्तोलक ने कहा कि वह सुधार करेंगे और निकट भविष्य में उनके स्तर की बराबरी करेंगे। उन्होंने कहा, 'पिछली बार 2018 में मुझे अपने वजन वर्ग में बदलाव करना पड़ा था और 85 किग्रा वर्ग में राहुल (वेंकट रेगाला) ने उसे (ओपेलोगे) को पछाड़ा था। मुझे चोट लगी थी और 94 किग्रा वर्ग में उतरना पड़ा और मैंने कांस्य (गोल्ड कोस्ट में) पदक जीता था।' ठाकुर ने कहा, 'यह हमारे लिए अच्छा है कि राष्ट्रमंडल खेलों के स्तर में सुधार हो रहा है। इस खेल में हम दबदबा बना रहे हैं। लेकिन विश्व मानक को हासिल करने के लिए हमें अब भी कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।' फिजी के टेनिएला टुइसुवा रेनीबोगी ने कुल 343 किग्रा (155 किग्रा और 188 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के पांच बार के पदक विजेता ठाकुर स्नैच में तीन प्रयास में 149 किग्रा, 153 किग्रा और 155 किग्रा वजन उठा और वह इस वर्ग के खत्म होने के बाद संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर चल रहे थे। क्लीन एवं जर्क में ठाकुर ने 187 किग्रा वजन उठाकर शुरुआत की। दूसरे प्रयास में उन्हें 191 किग्रा वजन उठाने के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी लेकिन पंजाब का भारोत्तोलक इस प्रयास में सफल रहा और इसका जश्न उन्होंने अपनी जांघ पर हाथ मारकर मनाया जिसे भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने लोकप्रिय किया है। रजत पदक सुनिश्चित होने के बाद ठाकुर ने अपने अंतिम प्रयास में 198 किग्रा वजन उठाने का प्रयास किया जो उनके निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से एक किग्रा अधिक था। वह हालांकि यह वजन उठाने में विफल रहे। लेकिन यह स्पर्धा ओपेलोगे के नाम रही जिन्होंने स्नैच, क्लीन एवं जर्क तथा कुल भार तीनों वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। स्थानीय दावेदार सिरिल टीचैटचेट ने निराश किया क्योंकि वह क्लीन एवं जर्क में एक भी वैध प्रयास नहीं कर पाए। साइप्रस के एंटोनिस मार्तासिदिस के साथ भी ऐसा ही हुआ। टीचैटचेट और मार्तासिदिस दोनों पदक के दावेदार थे।

राष्ट्रमंडल खेल : रोमांचक मुकाबले में मलेशिया से हारा भारत, जीता सिल्वर मेडल

बर्मिंघम ।

भारतीय मिश्रित बैडमिंटन टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 के फाइनल में मलेशिया से हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया। मलेशिया ने मंगलवार को खेले गए स्वर्ण पदक मैच में भारत को 3-1 से मात दी। फाइनल में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं हुई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को पहले मैच में टेंग फोंग और वूई सोह के हाथों 18-21, 15-21 से हार मिली। पहले गेम में भारतीय जोड़ी 18-15 से आगे चल रही थी मगर मलेशियाई जोड़ी ने लगातार छह पॉइंट जड़कर मैच में 1-0 की बढ़त ली और फिर सीधे गेमों में भारत को हराया। इसके बाद महिला एकल मैच में पुसरला वेंकट सिंधु का सामना गोह जिन वेई से हुआ जहां सिंधु ने 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की। मलेशियाई खिलाड़ी ने पहले गेम के शुरुआती हिस्से में पिछड़ने के बाद सिंधु को कड़ी टक्कर दी, लेकिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता ने संयम बरतते हुए टाई को 1-1 की बराबरी पर पहुंचाया। पुरुष एकल मैच में किदांबी श्रीकांत की करीबी मैच में हार के बाद भारत 1-2 से पिछड़ गया। किदांबी ने एनजी ट्ज़ो योंग को कड़ी टक्कर दी, लेकिन पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रहे योंग ने तीन गेमों के मैच में किदांबी को 21-19, 6-21, 21-16 से मात दी। अब त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद को महिला युगल मैच में कूंग ली परली और मुरलीधरन थिनाह का सामना करना था, और टाई में बरकरार रहने के लिए भारत को यह मैच जीतना जरूरी था। दुर्भाग्यवश, जॉली और गोपीचंद की जोड़ी ऐसा न कर सकी और सीधे गेमों में उन्हें 21-18, 21-17 से हार मिली। सिंगापुर ने 3-1 की जीत के साथ बर्मिंघम 2022 की मिश्रित बैडमिंटन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया।

गोल्डकोस्ट राष्ट्रमंडल खेल 2018 में मलेशिया को भारत से हारकर रजत से संतोष करना पड़ा था, लेकिन बर्मिंघम 2022 में उन्होंने अंततः भारत पर जीत दर्ज की। दूसरी ओर, भारत अब तक राष्ट्रमंडल खेल 2022 में पांच स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य 13 पदक जीत चुका है।

रोहित का अगले मैचों में खेलना संदिग्ध

सेंट किट्स । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का वेस्टइंडीज के खिलाफ बचे हुए मैचों में खेलना संदिग्ध है हालांकि रोहित को उम्मीद है कि मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 के दौरान उनकी पीठ में आया खिंचाव शीघ्र ठीक हो जाएगा। रोहित की पीठ में यह यह खिंचाव तीसरे एकदिवसीय मैच में बल्लेबाजी के दौरान आया। इस कारण रोहित को मैदान से बाहर जाना पड़ा। भारतीय टीम को अगले दो मैच फ्लोरिडा में 6 और 7 अगस्त को खेलने हैं। रोहित इस मैच में जब 11 रन बनाकर खेल रहे थे। तभी उन्होंने मेजबान टीम के गेंदबाज अलजारी जोसेफ को एक छक्का और एक चौका लगाने के बाद एक रन लिया था। इसके बाद अचानक ही उनकी कमर में दर्द शुरु हो गया। ऐसे में भारतीय टीम के फिजियो कमलेश ने मैदान पर जाकर उन्हें देखा पर राहत नहीं मिलने के कारण वह रोहित को मैदान से बाहर ले गये। रोहित ने मैच के बाद कहा कि अभी वह ठीक हैं पर आगे क्या होगा कहा नहीं जा सकता। वहीं बीसीसीआई ने कहा, रोहित की कमर में खिंचाव है। इसी कारण वह बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में हैं।

धनलक्ष्मी तीन साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली ।

डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाये जाने के कारण भारतीय महिला एथलीट धनलक्ष्मी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। धनलक्ष्मी पर यह प्रतिबंध एथलेटिक्स इंटीग्रिटी इकाई (एआईयू) ने लगाया है। इसका कारण धनलक्ष्मी के दो मई को तुर्की में लिए नमूने में मेटांडियनोन (एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड) पाया जाना बताया जा रहा है। मेटांडियनोन विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) कोड के तहत प्रतिबंधित माना जाता है। धनलक्ष्मी का परीक्षण स्विट्जरलैंड के लुसाने में वाडा की मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में ही हुआ था। ऐसे मामलों के लिए निलंबन की अवधि चार साल की होती है पर धनलक्ष्मी ने डोपिंग अपराध और प्रतिबंध स्वीकार कर लिया था। इसके कारण उनकी सजा की अवधि में एक साल की कमी कर दी गयी। धनलक्ष्मी अब 11 जुलाई से तीन साल के लिये प्रतिबंधित रहेगी। इसके साथ ही एक मई 2022 के उनके सभी परिणामों को भी खारिज कर दिया गया है। एआईयू ने अपने एक बयान में कहा, '' इस एथलीट ने 19 जुलाई को डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन को स्वीकार कर स्वीकृति फॉर्म पर हस्ताक्षर किए जिससे उनकी सजा में एक साल की कटौती की गयी है।'' इस मामले में इस एथलीट के पास अब खेल पंचाट में अपील का ही विकल्प बचा है।

सूर्यकुमार का अर्धशतक, भारत ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया

सेंट किट्स एंड नेविस ।

सलामी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के तेजतर्रार अर्धशतक और श्रेयस अय्यर के साथ उनकी अर्धशतकीय साझेदारी से भारत ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बनाई। वेस्टइंडीज ने सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स (50 गेंद में 73 रन, आठ चौके, चार छक्के) के अर्धशतक से पांच विकेट पर 164 रन बनाए जिसके जवाब में भारत ने सूर्यकुमार (44 गेंद में 76 रन, आठ चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और श्रेयस अय्यर (24) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 85 रन की साझेदारी से छह गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 165 रन बनाकर जीत दर्ज की। ऋषभ पंत 26 गेंद में 33 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने इस मैदान पर सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करते हुए जीत दर्ज की। इससे पहले मायर्स ने ब्रैंडन किंग (20) के साथ पहले विकेट के लिए 57 और कप्तान निकोलस पूरन (23) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन भी जोड़े। रोवमैन पावेल (23) और शिमरोन हेटमायर (20) ने भी वेस्टइंडीज के लिए उपयोगी पारियां खेली। भुवनेश्वर कुमार भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 35 रन देकर दो विकेट चटकाए। हार्दिक पांड्या ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 19 रन देकर एक विकेट चटकाया। आवेश खान एक बार फिर बेहद महंगे साबित हुए। उन्होंने तीन ओवर में 47 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। श्रृंखला के अंतिम दो मैच अमेरिका के फ्लोरिडा में शनिवार और रविवार को खेले जाएंगे। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को शुरुआत में ही झटका लगा जब कप्तान रोहित शर्मा पांच गेंद में 11 रन बनाने के बाद कमर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गए। सूर्यकुमार अच्छी लय में दिखे। उन्होंने ओबेद मैकॉय पर तीन चौके मारे जबकि अज्लारी जोसेफ की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने डोमीनिक ड्रेक्स का स्वागत भी लगातार दो चौकों के साथ किया। उन्होंने अय्यर के साथ मिलकर पावर प्ले में टीम का स्कोर 56 रन तक पहुंचाया। सूर्यकुमार ने जेसन होल्डर की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़ा और फिर अकील हुसैन पर छक्के के साथ सिर्फ 26 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। अय्यर ने ड्रेक्स पर चौके के साथ 11वें ओवर में भारत के स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया लेकिन अकील हुसैन की गेंद को आगे बढ़कर खेलने की कोशिश में स्टंप को गए। पंत ने आते ही मैकॉय पर चौका और हुसैन पर छक्का मारा।

सेन जोस में जापान की नाओमी ओसाका डब्ल्यू टीए टूर मुकाबले में रिटर्न शॉट लगाती हुई

एलएंडटी लिमिटेड ने वडोदरा के निकट आईटी टेक्नोलॉजी पार्क में और निवेश के लिए राज्य सरकार के साथ किया एमओयू

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जारी सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधित सेवाओं के लिए (आईटी और आईटीईएस) नीति (2022-27) को व्यापक और फलदायी समर्थन मिल रहा है। इस संबंध में गुजरात ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। विश्वविख्यात उद्योग समूह लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड (एलएंडटी) ने वडोदरा के निकट आईटी और आईटीईएस टेक्नोलॉजी पार्क में और अधिक निवेश के लिए राज्य सरकार के साथ करार किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जीतू वाघाणी के मार्गदर्शन में बुधवार को गांधीनगर में राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और एलएंडटी के बीच इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ। यह एमओयू गुजरात में आईटी और आईटीईएस नीति के अंतर्गत विभिन्न आईटी कंपनियों और उद्योगों की रणनीतिक साझेदारी के साथ राज्य के आईटी इकोसिस्टम को और अधिक विकसित करने में मील का पत्थर साबित होगा। इसके तहत एलएंडटी अगले पांच वर्ष में राज्य में इस आईटी पार्क में 7 हजार करोड़ रुपए का पूंजीनिवेश करेगी। इतना ही नहीं, वडोदरा के इस टेक्नोलॉजी पार्क में एक ही वर्ष के भीतर 2 हजार इंजीनियरों और अन्य पदों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया होंगे। एलएंडटी ने आगामी पांच वर्षों में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सहित कुल 10 हजार प्रस्तावित रोजगार उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात सरकार ने मजबूत नीति ढांचा तैयार कर एक ऐसे अनुकूल बिजनेस इकोसिस्टम का निर्माण किया है, जिसमें उद्योगों के लिए प्रोत्साहन, अवसर और गुजरात में आईटी से संबंधित कामकाज शुरू करने की आसान प्रक्रियाएं और अनुकूल माहौल है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करने के लिए, उत्कृष्ट आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और राज्य में 1 लाख आईटी नौकरियों के सृजन करने के प्रयास के हिस्से के रूप में गुजरात आईटी/आईटीईएस नीति (2022-27) घोषित की है। इसके अलावा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जीतू वाघाणी ने सतत रोजगार सृजन और कौशल विकास पर जोर दिया है। इससे रोजगार सृजन प्रोत्साहन (ईजीआई) और आत्मनिर्भर गुजरात सहायता योजना जैसे सक्षम प्रोत्साहन मिले हैं। यह नीति भारतीय आईटी इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी परिदृश्य में पहली बार 'केपैक्स-ओपैक्स मॉडल' की एक नई अवधारणा भी प्रस्तुत करती है। इस नीति ने आईटी उद्योग जगत में एक अभूतपूर्व आकर्षण पैदा किया है और इसके चलते अनेक निवेशक गुजरात सरकार के साथ साझेदारी करने को तत्पर हैं। नीति के लागू होने के शुरुआती 6 महीने में ही गुजरात सरकार ने 13 अग्रणी स्थानीय एवं वैश्विक आईटी कंपनियों के साथ एमओयू किया है।

महंगाई के विरोध में गुजरात कांग्रेस 5 अगस्त को राज्यभर में करेगी धरना-प्रदर्शन

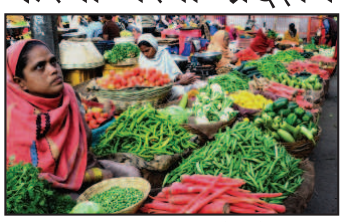

अहमदाबाद।

आंटा, शहद, गुड, पैकिंग में मिलने वाले अनाज समेत जीवन जरूरी चीज-वस्तुओं पर जीएसटी लगाए जाने के बाद पहले से बढ़ रही महंगाई को रफ्तार मिली है। एक ओर महंगाई और दूसरी ओर बेरोजगारी ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। आम लोगों की समस्याओं को लेकर गुजरात कांग्रेस ने आगामी 5 अगस्त को राज्य के शहर और जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। गुजरात कांग्रेस की यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक असंवेदनशील और तानाशाही भाजपा सरकार के अविचारी और जनविरोधी फैसलों के कारण आम लोगों की मुश्किलें दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं। देश के ग्रामीण और शहरों में बेरोजगारी दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। लगातार बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई समेत जीवनाश्यक चीजवस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने से परेशान जनता की समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से गुजरातभर में कांग्रेस धरना-प्रदर्शन करेगी। भाजपा सरकार की अविचारी, विवादास्पद अग्निपथ जैसी योजना भी बेरोजगार युवाओं की आकांक्षाओं को नष्ट कर रही है। फिलहाल संसद के जारी सत्र में संसद और संसद की बाहर भी कांग्रेस इन मुद्दों पर आक्रामकता के साथ विरोध प्रदर्शन कर रही है। गुजरात के 33 जिले और 8 महानगर पालिका, 157 नगर पालिकाओं में 5 अगस्त 2005 को महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ धरन-प्रदर्शन और सामूहिक धरपकड़ के कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस करेगी।

नागपंचमी के अवसर पर श्री महाकालेश्वर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया

सूरत भूमि, सूरत।

सचिन जी.आई.डी.सी के शिव मंदिर पर नाग पंचमी के अवसर पर श्री महाकालेश्वर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया था।

इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय महामंत्री रमाकांत पांडे जी ,अध्यक्ष प्रकाश त्रिपाठी एवं ट्रस्टी मंडल देवेंद्र कुमार मौर्य, डी.पी. राजेश भाई तथा अन्य कार्यकर्ताओं के सहयोग से महा प्रसादी का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोगों ने भगवान शिव जी का प्रसाद ग्रहण किया।

चुनाव से पहले कांग्रेस के और दो नेताओं ने छोड़ा हाथ का साथ, 17 को जॉइन करेंगे भाजपा

अहमदाबाद।

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले ही अब तक कांग्रेस को कई झटके लग चुके हैं। गुजरात कांग्रेस के और दो नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और आनेवाले दिनों में भाजपा का भगवा धारण कर सकते हैं। ये दो नेता हैं राज्य के पूर्व मंत्री नरेश रावल और पूर्व सांसद राजू परमार। नरेश रावल ब्रह्म समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि राजू परमार दलित समाज के बड़े नेता हैं। नरेश रावल ने पत्रकार परिषद में कहा कि मैंने और राजु परमार ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है और आगामी 17 अगस्त को सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्ष से कांग्रेस में बहुत सारी समस्या हैं, लेकिन उनके कारणों में मैं पड़ना नहीं चाहता। मुख्य बात यह है कि कांग्रेस में टीम वर्क का अभाव है। कांग्रेस के लिए हमने काफी काम किया है, परंतु सच्चे कार्यकर्ताओं की कद्र नहीं की जाती। वर्षों तक पार्टी के प्रति वफादार रहने के बावजूद नजरअंदाज किए जाने की वजह से कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमांड और प्रदेश स्तर के नेताओं के साथ काफी कटु अनुभव रहे हैं। बता दें कि पिछले काफी समय से लगातार अवगणना से नरेश रावल नाराज चल रहे थे, जिसकी वजह से उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया है। गुजरात विधानसभा चुनाव के आडे गिनती के महीने रह गए हैं, ऐसे में 40 वर्षों से कांग्रेस से जुड़े रहे नरेश रावल और राजु परमार के इस्तीफे से कांग्रेस को बड़ा नुकसान हो सकता है। गौरतलब है कि वर्ष 201। के बाद से अब तक कांग्रेस के 15 जितने विधायक भाजपा जॉइन कर चुके हैं। जिसमें ब्रिजेश मेरजा और जितु चौधरी को भूपेन्द्र पटेल मंत्रिमंडल में जगह मिली है। जबकि अक्षय पटेल, जेवी काकडिया, प्रद्युम्नसिंह जाडेजा भाजपा जॉइन करने के बाद उपचुनाव में दोबारा विधायक चुने गए। लूणावाडा के पूर्व विधायक हीरा पटेल भी कुछ समय पहले भाजपा में शामिल हुए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सागर रायका, जयराजसिंह परमार और प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल भी भगवा धारण कर चुके हैं।

रक्षाबंधन अभिवृद्धि के अवसर पर सिल्क इंडिया ने किया तेरापंथ भवन मे हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन

सूरत।

देश भरसे आए सिल्क बुनकरों ने अपनी बुनाई कला को प्रदर्षित करने के लिए सिल्क इंडिया प्रदर्शनी का आयोजन किया है। इस प्रदर्शनी मे देश के तमाम राज्यों से आए 150 से ज्यादा बुनकर भाग ले रहे है। प्रदर्शनी में आए दक्षिण के कलाकारों ने सिल्क पर अपनी कला का उम्दा प्रदर्षन किया है। पश्चिम बंगालके बुनकरों ने सिल्क साडी पर शिव तांडव दिखाया है तो आंध्र के बुनकरों ने फ्रेब्रिक रंगो से सिल्क साडियों पर पेंटिंग ही तैयार कर दी है।

उपरोक्त जानकारी हस्तशिल्पी के प्रबंधक राजेश कुमार ने दी । उन्होने बताया कि प्रदर्शनी का आयोजन सीटी लाईट मे स्थित तेरापंथ भवन मे किया जा रहा है। 7 अगस्त तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में कर्नाटका से आए बुनकर अपने साथ रियल जरी से बनी प्योर कांजीवरम साडी लाए है। ये साडी अभिनेत्री श्रीदेवी की पसंदीदा साडी थी इसलिए इसे श्रीदेवी साडी भी कहते है। 3 बुनकरों ने 6 माह की मेहनत के बाद इस ट्रेडिशनल साडी को तैयार किया है जिसकी कीमत लगभग 2 लाख अस्सी हजार रुपए है।

इसे बनाने के लिए सिल्क के धागें पर सोनेका पानी चढाकर बुनाई की गई है। आंध्रा के बुनकर विजयशील ने मंगलगिरी पर हेंड पेंटिंग कर प्रदर्शित की है। उन्होने साडी पर ध्यान मग्न बुद्धा की आकृति बनाई है । इसी तरह कतान सिल्क पर शिव तांडव का दृष्य रंग बिरंगे धागों से बुनाई कर उकेरा गया है।

प्रदर्शनी में मैसूर सिल्क साड़ियाँ, क्रेप और जार्जेट सिल्क साड़ियाँ, शिफोन सिल्क साड़ियाँ, टसर सिल्क साड़ियाँ और सूट, कांचीपुरम सिल्क साड़ियाँ और शादी की साड़ियाँ, डिजाइनर फैन्सी साड़ियाँ, धर्मावरम सिल्क साड़ियाँ, रो सिल्क और टसर, जूट सिल्क साड़ियाँ, ढाका सिल्क साड़ियाँ, हैंडलूम सिल्क कॉटन साड़ियाँ, सिल्क ब्लेंड साड़ियाँ और दुपट्टे, सिल्क शॉल, उप्पडा, गढ़वाल सिल्क साड़ियाँ, हैंड ब्लॉक प्रिंट साड़ियाँ, सूट और सिल्क बेड कवर, डिजाइनर वेयर और बार्डर और ड्रेस मैटेरियल, भागलपुरी सूट, प्रिंटेड सिल्क साड़ियाँ, रेशमी प्लेन और बूटी साड़ियाँ, कर्नाटक सिल्क साड़ियाँ, महेश्वरी, चंदेरी

लेजेस, कुर्तियां, हाथ से बुने मटका और असम मूंगा कपड़े, अपूर्व सिल्क साड़ियाँ, बालूचरी साड़ियाँ , कढ़ाईदार डिजाइनर सिल्क साड़ियाँ सिल्क साड़ियाँ और सूट और कोटा सिल्क, मलबरी सिल्क टेम्पल बार्डर के साथ, बनारस जामदानी, हाथ से बुनी साड़ियाँ प्रदर्शित की जा रही है।

कलाप्रेमी दोपहर 10.30 बजे से रात 8.30 बजे तक देश भर के कोने कोने से आए बुनकरो की बुनाई।

तीन साल से लगातार लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहें होप चैरिटेबल ट्रस्ट का सराहनीय कार्य

सूरत ।

बीते 2019 - 2020 साल में पूरी दुनिया में हाहाकार मचाने वाले कोरोना काल से लेकर कोरोना महामारी 2021मे दूसरी लहर बनकर फैले पेनेडेमिक समय में पूरा सूरत शहर चपेट में आ गया थे और कितने परिवार अनाथ और बेसहाय हो गये थे इस दु:ख की घड़ी में होप चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख जिग्नेश गांधी और सभ्य सभी परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते है,होप चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख जिग्नेश गांधी को सामाजिक मानवीय संवेदनाओं से युक्त सेवा कार्य करते हुए अविरत 857 दिन पूरे हो गए है,अभी भी महिलाओं के लिए नियमित सेनेटरी नैपकिन , बच्चों और विद्यार्थियों के लिए नोट बुक और स्टडी किट और रात्रि में होटलों से और दिन में शुभ और अशुभ प्रसंगों से भोजन एकत्रित कर जरूरत मंद परिवारों को वितरित किया जा रहा है, साथ ही पीने के पानी की भी व्यवस्था दी जा रही है, इसके लिए पानी की टंकी की भी व्यवस्था दी गई है,इसके लिए होप चेरिटेबल ट्रस्ट का प्रयास लोगों के दील में एक अलग पहचान बना है! 2021के दर्दनाक समय में होप चेरिटेबल ट्रस्ट के सभी सभ्य और सदस्य असहाय एवं जरूरत मंदो के लिए मददगार बन कर आगे आए ,कोरोना महामारी के इस संक्रमण काल के दर्दनाक समय में पूरा सूरत शहर काल के चक्र में अधीन हो गया था

और पूरे परिवार मृत्यु को प्राप्त हो रहे थेऔर बिखराव को प्राप्त हो हुए इस दुख और संकट की घड़ी में होप चेरिटेबल ट्रस्ट के सभ्यो ने अपनी टैग लाइन सभी की सहायता करनें के सेवा भावी कार्य की मानवतावादी सेवा को सार्थक करते हुए कोरोना से ग्रसित नौकरीपेशा और सामान्य परिवार के सदस्यों के लिए बिना मूल्य घर से बने सात्विक ताजे खाने की व्यवस्था कर बहुत ही मानवता भरा कार्य किया , इस खाने में जैन फूड और नवरात्रि पर्व के हिसाब से फराली व्यवस्था भी दी गई ,यह खाना सुबह शाम अलग अलग एरिया में, गाड़ी के द्वारा जिग्नेश गांधी के नेतृत्व में सदस्यों के साथ उनके अपार्टमेंट और घरों तक पहुंचाया गया,

गुजरात के 71 लाख परिवारों को रु. 100 प्रति लीटर के दर से मिलेगा मूंगफली का तेल

गांधीनगर।

गुजरात सरकार ने राज्य के 71 लाख परिवारों को रु. 200 प्रति लीटर मूंगफली का तेल रु. 100 प्रति लीटर देने का ऐलान किया है। गुजरात सरकार के इस फैसले से गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। गुजरात सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने कहा कि त्यौहारों का मौसम आ रहा है और खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसे में मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए महंगा तेल खरीदना बस में नहीं है। मध्यम और गरीब परिवारों की मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए गुजरात सरकार ने राज्य के ।1 लाख राशन कार्ड धारकों को राहत देने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि गांधीनगर में आज हुई कैबिनेट की बैठक में खाद्य तेल को लेकर महत्वपूर्ण फैसला किया गयाहै। जिसके मुताबिक राज्य के 71 लाख राशन कार्ड धारकों को रु. 100 प्रति लीटर के दर से मूंगफली का तेल दिया जाएगा। वाघाणी ने कहा कि सभी 71 लाख राशन कार्ड धारकों को साल में दो दफा त्यौहार के अवसर पर 1 लीटर मूंगफली का तेल किफायती दर पर हर साल देती है। आगामी त्यौहारों के दौरान महंगा तेल यानी मूंगफली तेल की बाजार कीमत प्रति लीटर रु. 200 के आसपास है, जो गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को प्रति लीटर रु. 100 के दर पर देने का सरकार ने फैसला किया है।

नवनीत एजुकेशन लेकर आया 'एचक्यू फ्लोरा' की नई रेंज

मुंबई । 'नवनीत एजुकेशन' के एचक्यू ने अपनी नई रेंज, एचक्यू फ्लोरा नोटबुक के साथ अपने ऑफिस स्टेशनरी सेगमेंट का विस्तार किया है। यह नया एडिशन उन लोगों के लिये बिलकुल सटीक है जो अपने बैग के लिये स्लीक और स्टाइलिश ऐक्सेसरीज की तलाश कर रहे हैं। इस नये लॉन्च के साथ, ब्रांड महिला अधिकारियों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो फैशन को लेकर जागरूक हैं और जिन्हें हमेशा बेहतरीन डिजाइन और क्राफ्ट की गई चीजें पसंद आती हैं।

इस बाजार में प्रवेश करने वाला, एचक्यू फ्लोरा फैब्रिक से ढँकी मोटी जिल्द वाली उत्कृष्ट नोटबुक है, जिसे खासतौर से देशभर की महिलाओं के लिये लॉन्च किया गया है। चाहे वह ट्रैवलर हों, राइटर, संगीत प्रेमी या फैशन प्रेमी हों, फ्लोरा हर महिला के लिये एकदम परफेक्ट है। इस नोटबुक की डिजाइन हमारी जिंदगी में मौजूद खूबसूरत महिलाओं के प्रति एक आभार है। गोल्डन फ्लोरल डिजाइन के साथ, इसका ब्राइट और कलरफुल कपड़े का कवर, सुंदरता का प्रतीक है और इसके अंदर लगा 80 जीएसएम का चमकीला सफेद रंग का पेपर उस सुंदरता में चार-चाँद लगाता है। यह नोटबुक चार अलग-अलग रंगों में उपलब्ध है, जो विभिन्न लुक के साथ मैच करता है।

एचक्यू की बेहतरीन क्वालिटी, इस्तेमाल करने वाले को लिखने का एक बेहतरीन अहसास देता है। यह उन लोगों के लिये एक सही चुनाव है, जो अपने विचारों को लिखना पसंद करती हैं और जिन्हें फैशनेबल प्रोडक्ट्स पसंद आते हैं।

फ्लोरा के बारे में, चीफ स्ट्रैटजी ऑफिसर और एचक्यू के प्रवक्ता, अभिजीत सान्याल कहते हैं, च्एचक्यू में हम सबसे बेहतर क्वालिटी के प्रोडक्ट देते हैं। ज्यादातर ऑफिस स्टेशनरी न्यूट्रल डिजाइन के होते हैं या फिर पुरुषों के अनुरूप बनाए जाते हैं। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में, महिलाएँ बेहतरीन योगदान दे रही हैं। फ्लोरा, इस विश्वास को जताने का एक तरीका है और हम चाहते हैं कि पुरुष भी इस बात को मानें और इस जर्नल को अपनी बहनों, पत्नियों, माँओं और गर्लफ्रेंड या फिर किसी करीबी को प्यार के तोहफे के रूप में दें। खासतौर से इस प्रोडक्ट की बात करें तो हमें विश्वास है कि इन नोटबुक्स का लुक और फील हमारे यूजर्स को पसंद आएगा। एचक्यू अपने यूजर्स के दिलों में जगह बनाने में विश्वास करता है और आगे भी हम ऐसा करते रहेंगे।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)